मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, रविवार, 28 जून 2026

संवत 2083, शुद्ध ज्येष्ठ शुक्ल 13 मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 284, पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▶▶ जर्मनी में विदेशी छात्रों को मिलती है कम कीमत में क्वालिटी एजुकेशन

अक्षय पर अक्षरा सिंह बोलीं दुनिया उनके स्टारडम की करती है तारीफ ◀◀ 6

बोकारो में विचरण कर रहा है 30 जंगली हाथियों का झुंड, गर्भवती हथिनी भी शामिल

प्रशासन ने जारी किया अलर्ट

संवाददाता

बोकारो: जिला के गोमिया प्रखंड अंतर्गत इलाके में 30 जंगली हाथियों का एक झुंड विचरण कर रहा है, जिसमें तीन मादा हाथी गर्भवती है। जिसके कारण उनका इस क्षेत्र में विचरण बहुत धीमा है। गोपो, पालू, बड़की पुन्नू और कुसुमडीह-कानीडीह क्षेत्र में 30 हाथियों का झुंड अलग-अलग हिस्सों में सक्रिय है, जिससे पूरे इलाके में दहशत का माहौल बना हुआ है।

वन विभाग और प्रशासन ने इसे लेकर विशेष हाई अलर्ट जारी कर दिया है। बताया जा रहा है कि झुंड में 2 से 3 हथनियां गर्भवती हैं, जिसके कारण हाथियों की गति धीमी है और वे लंबे समय तक इसी क्षेत्र में डेरा डाल सकते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार गर्भावस्था और बच्चे के जन्म के दौरान हाथियों का व्यवहार अधिक आक्रामक और अस्थिर हो जाता है।

जिला प्रशासन की ओर से महुआटांड़, धवईया, सिमराबेड़ा, दरहाबेड़ा, कुसुमडीह, कानीडीह, गागा, टिकाहारा, फुटकाडीह और कंडेर गांवों को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन ने ग्रामीणों को रात में बाहर न निकलने, हाथियों के पास न जाने और किसी प्रकार का शोर या छेड़छाड़ न करने की सख्त हिदायत दी है। वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत उल्लंघन पर कार्रवाई होगी। सुरक्षा के लिए 2 क्यूआरटी टीमें तैनात की गई हैं। इन क्यूआरटी टीमों के मोबाइल नंबर भी जारी किए गए हैं ताकि किसी भी आपात स्थिति में इन नंबरों पर संपर्क किया जा सके।

इस संबंध में बोकारो जिले के प्रभारी डीएफओ संदीप कुमार शिंदे ने बताया कि झुंड में मादा हाथी भी शामिल है। मादा हाथी के गर्भवती होने पर झुंड का विचारण धीमा जरूर हो जाता है, लेकिन काफी आक्रामक हो जाता है।

कुलडा जंगल से निकलकर सड़क पर 2 घंटे तक विचरण करता रहा जंगली हाथी

खूंटी : कोलेबिरा मुख्य पथ पर तोरपा के कुलड़ा जंगल से शनिवार को दिन के 10 के आसपास भटककर एक जंगली हाथी मुख्य पथ पर लगभग 2 घंटे तक विचरण करता रहा। जिस कारण आवागमन प्रभावित हो गया। जंगली हाथी के मुख्य पथ पर पहुंचने से सड़क के दोनों और वाहनों की लंबी कतार लग गई। जंगली हाथी के मुख्य पथ पर पहुंचने की जानकारी पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ हाथी को देखने के लिए पहुंची। मौजूद लोगों ने शोर गुल मचाकर जंगली हाथी को सुरक्षित वन क्षेत्र में भागने का प्रयास किया, परंतु लोगों का शोरगुल सुनकर हाथी ने कभी अपना सूंड हिलाया तो कभी कान और 2 घंटे तक मुख्य पथ पर डटा रहा। जंगली हाथी के मुख्य पथ पर निकालने की जानकारी पर तोरपा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति पर नियंत्रण पाया। पुलिस ने सायरन बजाकर जंगली हाथी को वन क्षेत्र में प्रवेश कराया । बता दे कि पिछले 15 दिनों से चार जंगली हाथियों ने कुलडा जंगल में डेरा जमा कर स्थानीय निवासियों की परेशानी बढ़ा दी है। जंगल से सटे लगभग आधा दर्जन गांवों के लोग अपने जानमाल की रक्षा रत जगा कर कर रहे हैं।

चंबा में बड़ा हादसा, अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिरी कार, चार की मौत

चंबा: जिला चंबा के चुराह उपमंडल के नकरोड-हिमगिरि संपर्क मार्ग पर बड़ा हादसा पेश आया है। यहां एक कार के गहरी खाई में गिरने से इसमें सवार चार लोगों की मौत हो गई। हादसे के समय कार में कुल चार लोग सवार थे। पुलिस ने शवों के पोस्टमार्टम करवा कर परिजनों को सौंप दिए हैं पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के विस्तृत कारणों की जांच आरंभ कर दी है।

जानकारी के अनुसार शनिवार देर रात नकरोड- हिमगिरि मार्ग पर नकरोड़ से करीब एक किलोमीटर दूर एक कार नंबर ल्ढ44अ-0494 अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी। हादसे में कार सवार चारों लोगों की मौके पर मौत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई है। वहीं, कार में सवार लोगों के शव आसपास छिटक गए थे।

उधर, एसपी चंबा विजय कुमार सकलानी ने कार हादसे में चार लोगों के मारे जाने की पुष्टि की है।

पत्नी के साथ बहस के बाद युवक ने की आत्महत्या

रांची : राजधानी के विधानसभा थाना क्षेत्र में एक युवक ने आत्महत्या कर ली। मृतक युवक का नाम दीपक है। मृतक युवक दीपक ने बीती रात अपनी पत्नी से बातचीत की। इस दौरान उसने आत्महत्या करने की बात कही। बताया जाता है कि युवक बीती रात शराब पी रहा था। इस बीच पत्नी और पति के बीच बहस हुई। जिसके बाद युवक ने आत्महत्या कर लिया । मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंची है और जांच में जुटी हुई है। इस मामले को लेकर पुलिस ने बताया कि पति-पत्नी में बीती रात बहस हुई थी। जिसके बाद युवक ने यह कदम उठाया।

मृतक की पत्नी ने पुलिस को दी जानकारी: मृत युवक की पत्नी अपने मायके गई हुई थी। मृतक युवक दीपक की पत्नी ने कॉल कर पुलिस को जानकारी दी कि कल रात को मोबाइल पर बातचीत हुई लेकिन आज कॉल नहीं उठा रहे हैं। मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस जब घटनास्थल पर पहुंची तो युवक ने आत्महत्या कर लिया था। फिलहाल इस पूरे मामले की जांच की जा रही है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामला

अयोध्या पुलिस की ताबड़तोड़ रेड, आठ आरोपियों से अब तक 80 लाख कैश बरामद

अयोध्या: राम मंदिर की दान पेटिका में हुई वित्तीय गड़बड़ी और हेरफेर के मामले में अयोध्या पुलिस ने रविवार को एक बहुत बड़ा एक्शन लिया है। पुलिस की अलग-अलग टीमों ने इस स्कैम में नामजद सभी आठ आरोपियों के घरों पर एक साथ, एक ही समय पर छापेमारी की। पुलिस की इस अचानक हुई कार्रवाई से आरोपियों के मोहल्लों में पूरी तरह हड़कंप मच गया। जांच टीमें मुख्य आरोपी अनुकल्प मिश्रा, अवनीश शुक्ला, मनीष यादव और टिन्नू यादव समेत बाकी सभी आरोपियों के घरों पर भारी दलबल के साथ पहुंच गईं।

घरों के बाहर कड़ा पहरा: इस रेड के दौरान पुलिस का बंदोबस्त इतना टाइट था कि कोई भी बाहरी इंसान अंदर-बाहर नहीं आ जा सके। इसके लिए आरोपियों के घरों के मेन गेट्स पर भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया था। पुलिस अधिकारियों ने घरों के चप्पे-चप्पे की तलाशी ली और वहां मौजूद फैमिली मेंबर्स से तीखे सवाल-जवाब करते हुए उनके बयान दर्ज किए। सामने आई खबरों के मुताबिक, पुलिस अब तक इस पूरे मामले में आरोपियों के पास से करीब 80 लाख रुपये का कैश बरामद कर चुकी है।

सबूतों की तलाश के बीच लोकल लोगों से अपील: पुलिस इस छापेमारी के जरिए इस वित्तीय घोटाले से जुड़े दूसरे जरूरी डाक्यूमेंट्स, बैंक अकाउंट्स की डिटेल्स और कहीं छुपाकर रखे गए पैसों को ढूंढने की कोशिश कर रही है। जांच को पूरी तरह फेयर और सॉलिड बनाने के लिए पुलिस ने आस-पड़ोस के लोकल लोगों को भी गवाह के तौर पर शामिल किया है। इसके साथ ही पुलिस ने स्थानीय नागरिकों से अपील की है कि अगर उनके पास इस मामले से जुड़ी कोई भी खुफिया जानकारी या सबूत है, तो वे बिना किसी डर के पुलिस के पास आएं और अपना बयान दर्ज कराएं।

चार्जशीट को एकदम सॉलिड बनाने की तैयारी: आपको बता दें कि इस पूरे डोनेशन घोटाले का पदार्फाश होने के बाद पिछले बृहस्पतिवार को पुलिस ने एफआईआर दर्ज की थी। इसके ठीक अगले ही दिन यानी शुक्रवार को पुलिस ने तेजी दिखाते हुए सभी आठों आरोपियों को अरेस्ट कर कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में सीधे जेल भेज दिया गया था। फिलहाल सभी आरोपी सलाखों के पीछे हैं और पुलिस अब इस केस की चार्जशीट को कोर्ट में कोर्ट-प्रूफ और मजबूत बनाने के लिए पुख्ता सबूत जुटाने में जुटी हुई है।

ट्रंप ने दी ईरान को तबाह करने की चेतावनी, कहा-

सीजफायर तोड़ा तो दुनिया के नक्शे से मिट जाएगा

न्यूयॉर्क : अमेरिका और ईरान के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर ईरान को कड़ी चेतावनी देते हुए सैन्य कार्रवाई और कड़े कदम उठाने की बात कही है।

ट्रंप ने अपने पोस्ट में कहा कि यदि ईरान सीजफायर समझौते का उल्लंघन जारी रखता है तो अमेरिका और अधिक सख्त कदम उठाने से पीछे नहीं हटेगा। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि हालात बिगड़ने पर ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई को और तेज किया जा सकता है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, हाल के दिनों में मिडिल ईस्ट में तनाव तब और बढ़ गया जब एक तेल टैंकर पर ड्रोन हमले के बाद क्षेत्र में हालात और बिगड़ गए। इसके बाद अमेरिका ने ईरान से जुड़े ठिकानों पर जवाबी सैन्य कार्रवाई की। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के अनुसार, यह कार्रवाई उन घटनाओं के जवाब में की गई, जिनमें ईरान पर सीजफायर उल्लंघन और वाणिज्यिक जहाजों को निशाना बनाने के आरोप लगे हैं। इन घटनाओं के बाद अमेरिकी सेना ने ईरान के मिसाइल और ड्रोन स्टोरेज सुविधाओं तथा तटीय रडार साइटों को निशाना बनाया। इसी बीच ईरान के सिरिक द्वीप और केश्म द्वीप क्षेत्र में धमाकों की आवाजें सुनाई देने की भी खबरें हैं। हालांकि इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। स्थिति को देखते हुए क्षेत्र में तनाव बढ़ गया है और अंतरराष्ट्रीय समुदाय हालात पर नजर बनाए हुए है।

मन की बात में प्रधानमंत्री का आत्मनिर्भर संदेश, कहा-

समुद्र से आसमान तक भारत बन रहा है आत्मनिर्भर

सी-295 विमान से लेकर स्वदेशी जहाजों तक गिनाए अचीवमेंट्स

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' में रक्षा और विमानन क्षेत्र में 'मेड इन इंडिया' की सफलताओं पर प्रकाश डाला, जिसमें स्वदेशी युद्धपोतों और सी-295 विमान की पहली सफल उड़ान का विशेष उल्लेख किया गया, जो भारत की आत्मनिर्भरता को दर्शाता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज साल 2026 के अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में देशवासियों से दिल की बात की। पीएम मोदी ने कहा कि साल 2026 के शुरूआती 6 महीनों में भारत ने कई बड़ी अचीवमेंट्स हासिल की हैं। उन्होंने देश और दुनिया के मौजूदा हालात पर बात करते हुए साफ कहा कि समुद्र से लेकर आसमान तक भारत पूरी तरह सुरक्षित है। भारत आज इतना मजबूत है कि हम सब मिलकर हर वैश्विक संकट का डटकर मुकाबला कर रहे हैं।

डिफेंस और एविएशन में भारत की स्वदेशी अचीवमेंट्स: जून के महीने में भारत को डिफेंस और एविएशन सेक्टर में बड़ी कामयाबी मिली है। पीएम मोदी ने बताया कि कोलकाता में नौ-सेना के एक इवेंट के दौरान तीन नए स्वदेशी जहाजों क्थ्ठर दूनागिरी, क्थ्ठर संशोधक और क्थ्ठर अग्रय को भारतीय नौसेना के बेड़े में शामिल किया गया। खास बात यह है कि इनकी डिजाइनिंग से लेकर मैन्युफैक्चरिंग तक सब कुछ 'मेड इन इंडिया' है। इसके साथ ही, भारत में बन रहे सी-295 विमान ने अपनी पहली उड़ान सक्सेसफुली पूरी कर ली है। ऐसे 40 विमान भारत में ही तैयार हो रहे हैं, जिससे एयरोस्पेस सेक्टर और टरटए को काफी बढ़ावा मिल रहा है और युवाओं के लिए नौकरियों के नए मौके खुल रहे हैं।

पीएम की अपील पर जनता का सपोर्ट: पीएम मोदी ने सोना न खरीदने और पेट्रोल-डीजल बचाने की अपनी अपील पर जनता से मिले रिस्पॉन्स की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, मैं देश के हर नागरिक का थैंकफुल हूँ कि उन्होंने मेरी इस मुहिम का खुलकर सपोर्ट किया। कई परिवारों ने पीएम के साथ अपने एक्सपीरियंस शेयर करते हुए बताया कि उन्होंने घर की शादियों में नया सोना न खरीदकर पुराने सोने को ही रिसाइकल करने का फैसला किया है। वहीं, पॉल्यूशन और पेट्रोल बचाने के लिए लोग अब बड़े पैमाने पर कार पूलिंग का इस्तेमाल कर रहे हैं।

योगासन चैम्पियनशिप में भारत का 'गोल्डन' रिकॉर्ड: इस बार इंटरनेशनल योग डे के मौके पर दुनिया भर के 2500 से ज्यादा शहरों में योग के शानदार प्रोग्राम हुए, जिसमें करोड़ों लोगों ने हिस्सा लिया। पीएम मोदी ने अहमदाबाद में हुई 'विश्व योगासन चैम्पियनशिप' का खास जिक्र किया, जहां भारतीय खिलाड़ियों ने कुल 114 मेडल जीतकर मेडल टैली में टॉप पोजीशन हासिल की। भारत के खाते में 102 गोल्ड मेडल आए हैं, जो अपने आप में एक बड़ा रिकॉर्ड है। इतिहास

केतन हत्याकांड में नया खुलासा

गूगल पर सर्च किया मारने का तरीका, फिर लोहागढ़ किले पर जाकर की रिहर्सल

- सिया-चेतन के सामने केतन मर्डर का सीन किया गया रीक्रिएट
- पुलिस दोनों को लोहगढ़ किला ले गई दीवार से डमी गिराकर देखा

पुणे : महाराष्ट्र के पुणे में रियल एस्टेट कारोबारी केतन अग्रवाल की हत्या के मामले में पुलिस जांच में कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। जांच के अनुसार, मुख्य आरोपी सिया गोयल और उसके प्रेमी चेतन चौधरी ने हत्या को दुर्घटना का रूप देने के लिए पहले से विस्तृत योजना बनाई थी। इसके लिए दोनों ने इंटरनेट पर जहर देकर हत्या करने और अन्य तरीकों की जानकारी भी खोजी थी।

पुलिस के मुताबिक, आरोपियों ने कई बार अपनी योजना का रिहर्सल किया। इसी दौरान उन्होंने लोहागढ़ किले पर एक ऐसे स्थान की पहचान की, जहां से किसी को खाई में धकेलने पर घटना हादसा प्रतीत हो सकती थी।

जांच में सामने आया है कि 18 जून की सुबह करीब 10:30 बजे सिया गोयल अपने मंगेतर केतन अग्रवाल को लोहागढ़ किले लेकर पहुंची। पहले से वहां मौजूद चेतन चौधरी ने सिया के साथ मिलकर कथित तौर पर केतन को खाई में धक्का दे दिया, जिससे उसकी मौत हो गई।

वारदात के बाद सिया ने इसे हादसा बताने की कोशिश की। उसने दावा किया कि फोटो खींचते समय केतन का पैर फिसल गया था। इतना ही नहीं, उसने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट भी साझा किया ताकि घटना को दुर्घटना साबित किया जा सके। हालांकि, पुलिस जांच में उसकी यह कहानी झूठी साबित हुई।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, हत्या की साजिश कई सप्ताह पहले से रची जा रही थी। शुरूआती जांच में पता चला है कि सिया और चेतन अपने रिश्ते को आगे बढ़ाना चाहते थे, लेकिन सामाजिक और पारिवारिक दबाव के कारण सिया की तयशुदा शादी रद्द नहीं हो पा रही थी। इसी वजह से दोनों ने केतन की हत्या की साजिश रची।

पुलिस के अनुसार, सिया गोयल और चेतन चौधरी की मुलाकात पिछले वर्ष अक्टूबर में एक दिवाली पार्टी के दौरान हुई थी। इसके बाद दोनों के बीच प्रेम संबंध विकसित हो गए। फरवरी में सगाई होने के बाद भी सिया ने अपने भाई से अपनी परेशानियां साझा कीं, लेकिन कोई समाधान नहीं निकल सका। जांच के दौरान पुलिस ने सिया के माता-पिता और उसके चाचा-चाची से भी पूछताछ की है, जिन्होंने केतन अग्रवाल के साथ उसकी शादी तय कराई थी।

पुलिस का कहना है कि सिया और चेतन लगातार फोन कॉल और मैसेज के जरिए संपर्क में थे। दोनों ने हत्या की योजना पर विस्तार से चर्चा की और मई के अंत तक इसे अंतिम रूप दे दिया। पुलिस के अनुसार, 14 जून को भी दोनों ने लोहागढ़ किले पर हत्या का प्रयास किया था, लेकिन वह असफल रहा। इसके बाद उन्होंने तय किया कि अगले प्रयास में चेतन मौके पर मौजूद रहेगा। फिलहाल पुलिस दोनों आरोपियों के मोबाइल फोन, कॉल डिटेल रिकॉर्ड और डिजिटल गतिविधियों की गहन जांच कर रही है। मामले की जांच जारी है।

उपायुक्त ने किया राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ

0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने की अपील

संवाददाता

खूंटी: उपायुक्त मो. जावेद हुसैन ने रविवार को सदर अस्पताल, खूंटी से राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का विधिवत शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने बच्चों को पोलियोरोधी दवा पिलाकर अभियान की शुरूआत की तथा जिलेवासियों से अपने 0 से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य पिलाने की अपील की। उपायुक्त ने कहा कि पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से बच्चों की सुरक्षा के लिए प्रत्येक पात्र बच्चे तक पोलियोरोधी दवा पहुंचाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि अभियान के दौरान पूरी सतर्कता, समन्वय और जिम्मेदारी के साथ कार्य करते हुए यह सुनिश्चित करें कि जिले का कोई भी पात्र बच्चा पोलियो की खुराक से वंचित न रहे। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तहत 28 जून को जिले के सभी निर्धारित पोलियो बूथों पर बच्चों को पोलियोरोधी खुराक पिलाई जा रही है। वहीं 29 एवं 30 जून को स्वास्थ्य विभाग की टीम, सहिया एवं आंगनबाड़ी सेविकाएं घर-घर जाकर ऐसे बच्चों को पोलियो की दवा पिलाएंगी, जो किसी कारणवश बूथ तक नहीं पहुंच सके। इस अवसर पर राज्य पर्यवेक्षक डॉ. अरविंद कुमार, सिविल सर्जन डॉ. ललित रंजन पाठक सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य पदाधिकारी, चिकित्सक एवं स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे। स्वास्थ्य विभाग ने सभी अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की दो बूंद अवश्य पिलाएं और पोलियो मुक्त समाज के निर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

पल्स पोलियो अभियान के तहत बच्चों को पिलाई गयी दवा

मुरी : आज रविवार को पल्स पोलियो अभियान के तहत सिल्ली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रभारी डॉक्टर विवेक कुमार ने बच्चों को पल्स पोलियो दवा की दवा पीला कर अभियान का शुभारंभ किया। इसके अलावा मोदीडीह गांव में मुखिया लालू राम उरांव ने प्लस पोलियो केन्द्र पर बच्चे को खुराक देकर उद्घाटन किया। केंद्र पर आंगन बाड़ी सेविका प्रमिला मिंज करीब 45 बच्चों को 11 बजे तक पोलियो का खुराक पिला चुकी थी। इसके अलावा हिंडालको अस्पताल मुरी, रेलवे हॉस्पिटल, डाक बंगला सिल्ली एवं ग्रामीण क्षेत्र के कई विद्यालयों में भी पल्स पोलियो का कैंप लगाकर शून्य से पांच साल तक के बच्चों को पोलियो मुक्त भारत बनाने के उद्देश्य से दवा की खुराक दी गयी।

चतरा में सिविल सर्जन ने किया तीन दिवसीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ

बच्चे को पोलियो की खुराक पिलाकर की अभियान की शुरूआत

चतरा: जिले में रविवार से तीन दिवसीय पल्स पोलियो अभियान की शुरूआत हुई। सदर अस्पताल चतरा परिसर में आयोजित कार्यक्रम में सिविल सर्जन डॉ. सत्येंद्र प्रसाद सिन्हा ने एक बच्चे को पोलियो की खुराक पिलाकर अभियान का विधिवत शुभारंभ किया। अभियान के तहत पहले दिन जिले के विभिन्न पोलियो बूथों पर शून्य से पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जा रही है। वहीं अगले दो दिनों तक स्वास्थ्य कर्मी घर-घर जाकर छूटे हुए बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का कार्य करेंगे। कार्यक्रम को संबोधित

करते हुए सिविल सर्जन डॉ. सत्येंद्र प्रसाद सिन्हा ने कहा कि पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से बच्चों को सुरक्षित रखने के लिए प्रत्येक अभिभावक अपने बच्चों को निर्धारित खुराक जरूर दिलाएं। अभियान की सफलता के लिए स्वास्थ्य विभाग की पूरी टीम लगातार कार्य कर रही है। मौके पर सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. पंकज कुमार ने भी लोगों को जागरूक किया। उन्होंने कहा कि ₹स्वस्थ भारत का सपना तभी साकार होगा, जब स्वस्थ समाज का निर्माण होगा।₹ उन्होंने जिलेवासियों से अपील की कि सभी अपने पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य पिलाएं और अभियान को सफल बनाएं।इस दौरान स्वास्थ्य विभाग के डॉ रमेश कुमार डॉ आशुतोष कुमार डीपी रंजीत सिंह डीपीएम संगीता एका बाला रविंद्र कुमार विषकर्मा स्वस्थ कर्मी एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

मवेशियों की टक्कर से साइकिल सवार दो छात्राएं घायल, एक गंभीर

संवाददाता

खूंटी: जिले के रनिया थाना क्षेत्र के मरचा उडिकेल मुख्य पथ पर उडिकेल ढलान के समीप मवेशियों के झुंड की चपेट में आने से साइकिल सवार दो छात्राएं घायल हो गईं। हादसे में दोनों छात्राओं की साइकिल भी क्षतिग्रस्त हो गई। जानकारी के अनुसार, उडिकेल गांव निवासी मगदली कोनगाड़ी और लूसिया तोपनों साइकिल से विद्यालय जा रही थीं। इसी दौरान सड़क पार कर रहे मवेशियों के झुंड ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मगदली का बायां पैर साइकिल के अगले चक्के में बुरी तरह फंस गया, जबकि लूसिया के सिर में गंभीर चोट लगी। घटना के बाद राहगीरों ने तत्परता दिखाते हुए दोनों छात्राओं की मदद की। काफी मशक्कत के बाद मगदली का पैर साइकिल के चक्के से बाहर निकाला गया। इसके बाद दोनों घायल छात्राओं को तत्काल उपचार के लिए रनिया रेफरल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए एंबुलेंस से तोरपा रेफर कर दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही उच्च विद्यालय मरचा के शिक्षक-शिक्षिकाएं घटनास्थल एवं रेफरल अस्पताल पहुंचे और घायल छात्राओं का हालचाल जाना। बताया गया कि दोनों छात्राएं उच्च विद्यालय मरचा में आठवीं कक्षा की छात्राएं हैं। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने सड़क पर मवेशियों के खुलेआम विचरण पर चिंता जताते हुए प्रशासन से इस दिशा में आवश्यक कदम उठाने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

एसआईआर के सफल संचालन को लेकर स्वयंसेवकों का जिला स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित

संवाददाता

चतरा: जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त रवि आनंद की अध्यक्षता में शनिवार जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट सह प्रशिक्षण भवन के सभागार में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन हेतु प्रतिनियुक्त स्वयंसेवकों का जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ उपायुक्त एवं उप निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा विधिवत दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपायुक्त ने कहा कि मतदाता सूची का शुद्ध एवं त्रुटिरहित होना लोकतांत्रिक व्यवस्था की आधारशिला है। विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान में स्वयंसेवकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी स्वयंसेवकों से मतदान केंद्रों पर पूरी जिम्मेदारी एवं संवेदनशीलता के साथ कार्य करते हुए प्रत्येक पात्र मतदाता तक आवश्यक जानकारी पहुंचाने तथा मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग देने का आह्वान किया।प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि विभागीय निदेर्शानुसार विभिन्न विद्यालयों के शिक्षकों को स्वयंसेवक के रूप में प्रतिनियुक्त किया गया है। सभी स्वयंसेवक संबंधित बूथ लेवल ऑफिसर के साथ समन्वय स्थापित कर मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य में सहयोग प्रदान करेंगे तथा मतदान केंद्रों पर आने वाले मतदाताओं को आवश्यक मार्गदर्शन उपलब्ध कराएंगे।

प्रशिक्षण में स्वयंसेवकों को उनके दायित्वों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। उन्हें विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के उद्देश्य एवं प्रक्रिया से अवगत कराते हुए मतदाताओं को प्रपत्र भरने, आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी देने, वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों एवं अन्य जरूरतमंद मतदाताओं को सहायता उपलब्ध कराने तथा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मतदान केंद्रों पर उपस्थित रहकर अपने दायित्वों का प्रभावी निर्वहन करने के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया।प्रशिक्षकों ने स्वयंसेवकों को अभियान के दौरान पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं समयबद्ध तरीके से कार्य करने का निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल कराने तथा त्रुटियों के समय पर निराकरण में उनकी सक्रिय भूमिका अभियान की सफलता सुनिश्चित करेगी। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिला निर्वाचन कार्यालय के पदाधिकारी एवं कर्मी,मास्टर ट्रेनर के रूप में सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी, सिमरिया , जिला योजना पदाधिकारी, चतरा एवं प्रतिनियुक्त स्वयंसेवक उपस्थित थे।

जेएसएलपीएस के सौजन्य से रेडक्रॉस परिसर में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित,40 यूनिट रक्त संग्रहित

चतरा: जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त रवि आनंद के निदेर्शानुसार झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी (जेएसएलपीएस) चतरा के सौजन्य से शनिवार को रेडक्रॉस परिसर में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य रक्तदान के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना तथा जरूरतमंद मरीजों के लिए सुरक्षित एवं पर्याप्त रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करना था।रक्तदान शिविर में जेएसएलपीएस के कर्मियों, कैडर एवं स्वयं सहायता समूह की महिला सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई। शिविर के दौरान कुल 106 लोगों ने रक्तदान के लिए पंजीकरण कराया, जिनमें स्वास्थ्य परीक्षण के उपरांत 40 यूनिट रक्त का सफलतापूर्वक संग्रह किया गया।इस अवसर पर जेएसएलपीएस के जिला कार्यक्रम प्रबंधक गौरव कुमार जायसवाल एवं सिविल सर्जन डॉ. सत्येंद्र प्रसाद सिन्हा ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि रक्तदान महादान है। एक यूनिट रक्त कई जरूरतमंद मरीजों के लिए जीवनदायी साबित हो सकता है। उन्होंने सभी स्वस्थ एवं सक्षम नागरिकों से नियमित रूप से स्वैच्छिक रक्तदान करने तथा दूसरों को भी इस पुनीत कार्य के लिए प्रेरित करने की अपील की।उन्होंने कहा कि रक्त का कोई कृत्रिम विकल्प उपलब्ध नहीं है। ऐसे में स्वैच्छिक रक्तदान ही जरूरतमंद मरीजों के लिए सबसे बड़ा जीवनदान है। समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित ऐसे शिविर जरूरतमंद मरीजों के लिए संजीवनी साबित होते हैं।कार्यक्रम के सफल आयोजन में रेडक्रॉस सोसायटी की टीम, चिकित्सकों, स्वास्थ्यकर्मियों, जेएसएलपीएस के कर्मियों, कैडर एवं स्वयं सहायता समूह के सदस्यों की सक्रिय सहभागिता रही। अंत में जेएसएलपीएस, चतरा की ओर से सभी रक्तदाताओं, सहयोगी संस्थाओं एवं आयोजन में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वाले सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया गया तथा भविष्य में भी इस प्रकार के जनहित एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रमों के आयोजन की प्रतिबद्धता दोहराई गई।

तेज रफ्तार अज्ञात हाइवा ने टोटो को मारी टक्कर,दो गंभीर , गया रेफर

चतरा: जिले के हंटरगंज थाना क्षेत्र के घंघरी स्थित चतरा-डोभी मुख्य पथ पर घंघरी पुल के समीप शनिवार की शाम सवारी से भरी एक टोटो को तेज रफ्तार अज्ञात हाइवा ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में टोटो चालक समेत दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर इतनी भीषण थी कि टोटो के परखच्चे उड़ गए। घायलों की पहचान देवनबार निवासी 45 वर्षीय विनोद सिंह पुत्र इन्द्रनाथ सिंह जो टोटो चला रहे थे तथा जोरी निवासी 36 वर्षीय गुड़िया देवी पति बुधन दास, जो टोटो में सवार थीं के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार टोटो हंटरगंज से सवारी लेकर जोरी की ओर जा रही थी। इसी दौरान घंघरी पुल के मोड़ के पास सामने से आ रहे तेज रफ्तार अज्ञात हाइवा ने टोटो में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद आसपास के ग्रामीण और राहगीर मौके पर पहुंचे तथा आनन-फानन में दोनों घायलों को सीएचसी हंटरगंज पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए गया स्थित मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया।घटना की सूचना मिलते ही हंटरगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक हाइवा चालक वाहन लेकर फरार हो चुका था। पुलिस ने क्षतिग्रस्त टोटो को कब्जे में ले लिया है और अज्ञात हाइवा तथा उसके चालक की तलाश शुरू कर दी है।

जमीन विवाद में वृद्ध किसान की हत्या, आरोपी गिरफ्तार, हथियार बरामद ,भेजा गया जेल

संवाददाता

तमाड़: थाना क्षेत्र के बारीडीह गांव में जमीन विवाद ने एक वृद्ध किसान की जान ले ली। 24 जून को दिनदहाड़े हुई इस सनसनीखेज हत्या मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। जानकारी के अनुसार, बारीडीह गांव निवासी करीब 70 वर्षीय गोविंद महतो की खेत के समीप गांव के ही 50 वर्षीय कुइला महतो ने धारदार हथियार दाउड़ी से हमला कर हत्या कर दी थी। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया था। घटना के बाद बुंडू डीएसपी ओमप्रकाश के निर्देश पर तमाड़ थाना प्रभारी दुलाल कुमार महतो ने पुलिस बल के साथ छापेमारी कर आरोपी कुइला महतो को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान आरोपी की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त धारदार हथियार दाउड़ी भी बरामद कर लिया गया। पुलिस जांच में सामने आया कि मृतक गोविंद महतो और आरोपी कुइला महतो के बीच कई वर्षों से जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। इसी रंजिश में आरोपी ने आवेश में आकर वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध हत्या का मामला दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी करने के बाद उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। मामले की आगे की जांच जारी है।

ग्रामीणों को मिली विकास योजनाओं की सौगात, जिप अध्यक्ष ने किया शिलान्यास

सरायकेला-खरसावां: जिले के जिला परिषद अध्यक्ष सोनाराम बोदरा ने अलग-अलग पंचायतों में करीब 50 लाख रुपये की लागत से बनने वाली विकास योजनाओं का शिलान्यास किया। इस दौरान उनके साथ जिला परिषद सदस्य काली चरण बानरा और सावित्री बानरा भी मौजूद रहे। जनप्रतिनिधियों ने शिलापट्ट का अनावरण और नारियल फोड़कर योजनाओं की शुरूआत की।

इन योजनाओं की हुई शुरूआत : शिलान्यास के तहत लाखनडीह और बाडामशाल में जलमीनार, मोहनबेड़ा और छोटा आमदा में पीसीसी सड़क, तेलाईडीह और सिंगाडीह में नहाने के घाट और पदमपुर में नाली निर्माण काम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे और विकास कार्यों के लिए जनप्रतिनिधियों का स्वागत किया। इस अवसर पर जिला परिषद अध्यक्ष सोनाराम बोदरा ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार उनकी प्राथमिकता है। पेयजल, सड़क, जल निकासी एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए लगातार योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि सभी विकास कार्यों को निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा कराया जाएगा जिससे कि ग्रामीणों को इसका सीधा फायदा मिल सके।

समय पर कार्य पूरा नहीं करने वाले संवेदकों पर होगी कार्रवाई : सोनाराम बोदरा : सोनाराम बोदरा ने स्पष्ट कहा कि विकास योजनाओं को पूरा करने में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी संवेदकों (ठेकेदारों) को निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से कार्य पूरा करना होगा। समय पर काम पूरा नहीं करने वाले संवेदकों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को भी योजनाओं की नियमित निगरानी करने और गुणवत्ता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

स्वर्णरेखा नदी के संरक्षण व प्रदूषण मुक्ति को लेकर पुनः चला संदेशात्मक श्रमदान अभियान

मेट्रो रेज

रांचीः स्वर्णरेखा नदी के संरक्षण एवं उसे प्रदूषणमुक्त बनाने के उद्देश्य से एक संदेशात्मक श्रमदान अभियान चलाया गया। अभियान का उद्देश्य लोगों को यह संदेश देना था कि यदि हम पूरी नदी को साफ नहीं कर सकते, तो कम से कम उसे गंदा होने से अवश्य बचा सकते हैं।

समिति के सदस्यों ने कहा कि प्रत्येक रविवार अपना कुछ समय पर्यावरण, संस्कृति, कला और आस्था की प्रतीक माँ समान स्वर्णरेखा नदी के नाम समर्पित करना हम सभी का छोटा-सा प्रयास है। जनभागीदारी के माध्यम से ही नदी संरक्षण का लक्ष्य सफल हो सकता है।

अभियान में मुख्य रूप से शाइनिंग झारखंड की संस्थापक पूजा साहू, स्वर्णरेखा जीर्णोद्धार समिति के अध्यक्ष माखन पाठक, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अभिषेक सिंह (शैंकी), उपाध्यक्ष शिवम सिंह, समिति के कानूनी सलाहकार एवं उच्च न्यायालय के अधिवक्ता बीपीन सिंह, शशि बादल, आनंद केशरी, आयुष कुमार, राहुल राम, नवीन तिवारी, नागद तुषार सिंह एवं शिव कुमार सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

शाइनिंग झारखंड की संस्थापक पूजा साहू ने कहा,यदि जंगल और नदियाँ स्वच्छ नहीं रहेंगी, तो हमें साँस लेने के लिए भी प्रदूषित हवा ही मिलेगी। इसलिए शहर के प्रत्येक जिम्मेदार नागरिक को संकल्प के साथ इनके संरक्षण में अपना-अपना योगदान देना चाहिए।

स्वर्णरेखा जीर्णोद्धार समिति के अध्यक्ष माखन पाठक ने कहा, हम सभी से आग्रह है कि प्रत्येक रविवार अपने समय का कुछ हिस्सा स्वर्णरेखा नदी के संरक्षण के लिए श्रमदान में अवश्य दें। छोटे-छोटे प्रयास ही बड़े परिवर्तन का आधार बनते हैं। समिति के कानूनी सलाहकार एवं उच्च न्यायालय के अधिवक्ता बीपीन सिंह ने कहा,

स्वच्छ नदी और स्वच्छ वातावरण प्रत्येक नागरिक का अधिकार है। साथ ही, इन प्राकृतिक धरोहरों का संरक्षण करना हम सभी का नैतिक एवं सामाजिक दायित्व भी है।

अंत में समिति ने शहरवासियों से अपील की कि वे स्वर्णरेखा नदी को स्वच्छ, अविरल एवं प्रदूषणमुक्त बनाने के अभियान से जुड़ें तथा अपने स्तर पर नदी में कचरा या गंदगी न डालने का संकल्प लें। जनसहभागिता से ही स्वर्णरेखा का अस्तित्व सुरक्षित रखा जा सकता है।

सेंट्रल मुहर्रम कमिटी ने मुख्यमंत्री ,उपयुक्त व वरीय पुलिस अधीक्षक का जताया आभार

मेट्रो रेज

रांचीः सेंट्रल मुहर्रम कमिटी रांची के मुख्य सरपरस्त मो सईद,अध्यक्ष पप्पू गद्दी प्रवक्ता मो इसलाम, महासचिव अकीलुर्रहमान,कारयकारी अध्यक्ष आफताब आलम सहित तमाम पदाधिकारी ने मुहर्रम के जुलूस की एतिहासिक रूप से अभूतपूर्व सफलता के लिए उत्कृष्ट सहयोग पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री , वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन, ग्रामीण एसपी, ट्रैफिक एसपी, नगर आयुक्त नगर निगम ,अपर नगर आयुक्त सहित अन्य प्रशासनिक पदाधिकारियों का आभार प्रकट किया।

एसीबी की बड़ी कार्रवाई

रिम्स की जमीन पर अतिक्रमण कर अपार्टमेंट बनाने वाला बिल्डर गिरफ्तार

मेट्रो रेज

रांचीः रिम्स जमीन अतिक्रमण मामले में झारखंड एसीबी ने बड़ी कार्रवाई की है। एसीबी ने रिम्स के जमीन पर अपार्टमेंट बनाने वाले चर्चित बिल्डर को गिरफ्तार कर लिया है। एसीबी की जांच में खुलासा हुआ है, कि बिल्डर ने इस अवैध निर्माण में करीब 14 करोड़ रुपए लगाया था। इस पूरे सिंडिकेट ने मोरहाबादी मौजा की 8 एकड़ और कोकर मौजा की 1.65 एकड़ (कुल 9.65 एकड़) रिम्स की जमीन पर कब्जा कर रखा था, जिसकी बाजार में कीमत 100 करोड़ से अधिक आंकी जा रही है। जांच जैसे आगे बढ़ी, इस खेल में रिम्स की जमीन का पावर ऑफ अटॉर्नी लेनेवाला एक और मास्टरमाइंड प्रमोद महतो भूमिगत हो गया है। एसीबी ने उसके खिलाफ कोर्ट से वारंट हासिल कर लिया है। गिरफ्तारी से बचने के लिए प्रमोद ने एसीबी कोर्ट में अग्रिम जमानत की अर्जी लगाई थी। भू-माफियाओं और बिल्डरों ने मिलकर रिम्स की बेशकीमती सरकारी जमीन को हथियाने के लिए जाली वंशावली और फर्जी दस्तावेज तैयार किए।

रिम्स में डॉक्टरों को ओपीडी में एक घंटा देरी की छूट

रांचीः रिम्स के प्रभारी निदेशक डॉ डीके सिन्हा ने सीनियर और जूनियर डॉक्टरों को ओपीडी ड्यूटी में एक घंटे की छूट दी है। उन्होंने शनिवार को पत्रकारों से कहा कि शहर में जाम की समस्या रहती है और गाड़ी में भी दिक्कत हो सकती है। इसलिए अगर डॉक्टर सुबह 9:30 या 10 बजे तक ओपीडी में पहुंचते हैं तो क्षम्य है, लेकिन कोई लगातार एक सप्ताह तक ऐसा करता है तो कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि निर्धारित ड्यूटी समय का पालन सभी रिम्स कर्मियों के लिए जरूरी है। निजी प्रैक्टिस पर उन्होंने स्पष्ट किया कि सुबह 9 से शाम 5 बजे तक का समय रिम्स को देना है।

अल-अंसार मोमिन पंचायत ने मोहर्रम जुलूस का किया भव्य स्वागत

सांसद महुआ माजी समेत कई गणमान्य हुए सम्मानित

गुलाम शाहिद

रांचीः मोहर्रम के अवसर पर अल-अंसार मोमिन पंचायत के नवनिर्वाचित सदर अनवर हुसैन एवं उनकी टीम के नेतृत्व में टैक्सी स्टैंड के समीप मोहर्रम जुलूस के स्वागत के लिए भव्य स्वागत मंच एवं शिविर का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर जुलूस में शामिल सैकड़ों लोगों का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। आगंतुकों एवं समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों को पगड़ी पहनाकर तथा स्मृति-चिह्न (मोमेंटो) भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आपसी भाईचारे, सामाजिक सौहार्द और मोहर्रम के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना रहा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महुआ माजी, सुबोध कांत सहाय तथा फरीद खान सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। सभी अतिथियों को पगड़ी पहनाकर एवं स्मृति-चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अल-अंसार मोमिन पंचायत के नवनिर्वाचित सदर अनवर हुसैन ने कहा कि मोहर्रम त्याग, बलिदान, इंसानियत और सामाजिक एकता का प्रतीक है। ऐसे आयोजनों से समाज में भाईचारा और आपसी सौहार्द को नई मजबूती मिलती है।

कार्यक्रम का सफल संचालन पंचायत के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के सहयोग से संपन्न हुआ। आयोजन में बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता, बुद्धिजीवी एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

प्राइवेट स्कूल्स एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन ने अवनी केजरीवाल को किया सम्मानित

मेट्रो रेज

रांचीः प्राइवेट स्कूल्स एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन (पासवा)के प्रतिनिधिमंडल ने एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष शमायल अहमद के निदेर्शानुसार प्रदेश महासचिव मसूद कच्छी के नेतृत्व में झारखण्ड राज्य राँची रातू की रहने वाली की मेधावी छात्रा अवनी केजरीवाल को पासवा द्वारा 5100 राशि व प्रतीक चिन्ह देकर पुरस्कृत किया गया। साथ ही उनके माता पूनम केजरीवाल और पिता मिथिलेश केजरीवाल को एसोसिएशन के पदाधिकारी प्रदेश सचिव तौफीक हुसैन, कोडरमा जिलाध्यक्ष अभय कुमार, महासचिव आरिफ अंसारी, भुनेश्वर कुमार कोषाध्यक्ष, दिलीप कुमार यादव मिडिया प्रभारी, दीपक कुमार, मो उस्मान कार्यकारी अध्यक्ष, सैयद अंसारुल्लाह, मो महताब अंसारी, मो गुलाम गौस द्वारा अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। अवनी ने सीबीएसई 12वीं (कॉमर्स स्ट्रीम) की परीक्षा के पुनर्मूल्यांकन के बाद 500 में से 500 (100%) अंक हासिल कर राष्ट्रीय स्तर पर इतिहास रचा इन्होंने अपनी शिक्षा दिल्ली पब्लिक स्कूल धुर्वा राँची वाणिज्य संकाय से किया। पूर्व में अवनी को 95.2% 500 में 476 अंक प्राप्त हुए थे और असंतुष्ट होने पश्चात रिचेकिंग आवेदन के अंतर्गत परिणाम स्वरुप या सफलता हासिल किया! पब्लिक स्कूल्स एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन पदाधिकारियों ने अवनी और उनके परिजनों को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना किया उन्होंने कहा झारखंड ही नहीं बल्कि हमारे देश की शान है सभी विद्यार्थियों को उससे प्रेरणा लेनी चाहिए।

सीबीएससी की मार्किंग पर सवाल उठाने वाले सार्थक ने बनाया पोर्टल

रांचीः जेवीएम श्यामली के क्लास 12वीं के छात्र सार्थक सिद्धांत एक बार फिर अपनी पहल को लेकर चर्चा में हैं। सीबीएसइ के डिजिटल मूल्यांकन टेंडर का विश्लेषण कर सुर्खियां बटोरने वाले सार्थक ने अब भारत सरकार के केंद्रीय सार्वजनिक खरीद (सीपीपी) पोर्टल से प्राप्त लगभग 1.66 करोड़ खरीद रिकॉर्ड का सार्वजनिक डेटाबेस तैयार किया है। सार्थक ने बताया कि पारदर्शिता सभी के लिए सुलभ होनी चाहिए, इसी सोच के साथ उसने यह पोर्टल शुरू किया है। उनके अनुसार, पिछले दो सप्ताह में सीपीपी पोर्टल से करीब 1.66 करोड़ सरकारी खरीद रिकॉर्ड एकत्र किए गए हैं। इन रिकॉर्ड को अब नागरिकों, पत्रकारों, शोधकताओं और अन्य लोगों के लिए सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराया गया है।

डिजिटल मूल्यांकन पर सवाल खड़े करने के बाद चर्चा में आ गए थे सार्थकः मालूम हो कि सार्थक इससे पहले सीबीएसइ की ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली और कक्षा 12वीं की उत्तर पुस्तिकाओं के डिजिटल मूल्यांकन से जुड़े दस्तावेजों के अध्ययन को लेकर चर्चा में आए थे। अपनी उत्तर पुस्तिका की स्कैन कॉपी देखने के बाद अंकों में अंतर महसूस होने पर उन्होंने इस प्रक्रिया की पड़ताल शुरू की थी।

पोर्टल की खासियत : जटिलता से मिलेगी मुक्ति, आसान होगा विश्लेषण : छात्र सार्थक के अनुसार भारत सरकार का केंद्रीय सार्वजनिक खरीद (सीपीपी) पोर्टल काफी थकाऊ है। इसके जटिल सिस्टम के कारण सरकारी खरीद से जुड़े दस्तावेज आसानी से डाउनलोड नहीं होते हैं। सार्थक द्वारा तैयार नए पोर्टल पर नागरिकों और शोधकताओं को ऐसी किसी परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। इस सुलभ डेटाबेस से लोग रिकॉर्ड आसानी से डाउनलोड कर उनका स्वतंत्र विश्लेषण कर सकेंगे।

अल्पसंख्यक अधिकार सम्मेलन का आयोजन लंबित मुद्दों पर सरकार से ठोस पहल की मांग

गुलाम शाहिद

रांची :ऑल इंडिया मुस्लिम मजलिस उलेमा, झारखंड के तत्वावधान में रविवार को रांची में अल्पसंख्यक अधिकार सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में अल्पसंख्यक समुदायों से जुड़े विभिन्न सामाजिक, शैक्षणिक, धार्मिक और राजनीतिक मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई।

ऑल इंडिया मुस्लिम मजलिस उलेमा, झारखंड के केंद्रीय अध्यक्ष मौलाना अब्दुल्लाह अजहर कासमी ने कहा कि सम्मेलन का उद्देश्य अल्पसंख्यक समुदायों की समस्याओं को एक मंच पर उठाना और उनके समाधान के लिए सार्थक पहल करना है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में मुस्लिम, सिख, ईसाई, बौद्ध तथा अन्य अल्पसंख्यक समुदायों के धार्मिक, सामाजिक और बौद्धिक प्रतिनिधियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया।

सम्मेलन के मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) के संस्थापक एवं डुमरी विधानसभा क्षेत्र के विधायक जयराम कुमार महतो उपस्थित रहे। इस अवसर पर उनसे अल्पसंख्यक समुदाय की समस्याओं और मांगों को झारखंड विधानसभा में प्रभावी ढंग से उठाने का आग्रह किया गया। मौलाना कासमी ने कहा कि झारखंड में अल्पसंख्यकों, विशेषकर मुस्लिम समाज से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दे लंबे समय से लंबित हैं। उन्होंने मॉब लिंचिंग की घटनाओं पर प्रभावी कार्रवाई, आलिम एवं फाज़िल डिग्रियों को राज्य के विश्वविद्यालयों से मान्यता एवं संचालन की व्यवस्था करने सहित अन्य मांगों को प्रमुखता से रखा।उन्होंने कहा कि झारखंड में मुस्लिम समाज राज्य की दूसरी सबसे बड़ी आबादी है, जिसकी हिस्सेदारी लगभग 15 से 18 प्रतिशत है। इसके बावजूद चुनाव के दौरान किए गए कई वादे अब तक पूरे नहीं किए गए हैं। सम्मेलन में अल्पसंख्यकों की राजनीतिक भागीदारी, उचित प्रतिनिधित्व और संवैधानिक अधिकारों की सुरक्षा पर भी गंभीर विचार-विमर्श किया गया।

कार्यक्रम में प्रो शकील अहमद एलजी, समाजसेवी नदीम खान, आदिल जहीर, आबिद अली, निगार सुल्ताना, सरफराज अहमद, अजय सिंह, मास्टर शकील, इम्तियाज अहमद, मकसूद खान सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित थे।

उपायुक्त का न्यायालय, हजारीबाग
(विधि शाखा)

ज्ञापांक................/विधि, दिनांक................/2026
सरफेसी वाद सं0–74/25
Bank of Maharashtra -Vs.- Mr. Umesh Kumar Singh & Ors.

नोटिस बनाम–
1. Mr. Umesh Kumar Singh
At: Shiv Apartments, 1st Floor, Flat No. 102, Hazaribag, Babapath, Jharkhand-825301
2. Mrs. Sushmita Sinha
At: Shiv Apartments, 1st Floor, Flat No. 102, Hazaribag, Babapath, Jharkhand-825301

वजरिये इस नोटिस के द्वारा आपको सूचित किया जाता है कि आपके विरूद्ध SARFAESI अधिनियम की धारा 14 के अन्तर्गत उपायुक्त, हजारीबाग के न्यायालय में ऋण की वसूली हेतु बंधक प्रतिभूति (Mortgage Security) के दखल कराने के लिए आवेदन दायर किया गया है जिसकी सुनवाई के क्रम में आप लगातार अनुपस्थित है।

अतः न्यायालय के सुनवाई के क्रम में दिनांक 16.06.2026 को पारित आदेश के आलोक में निर्धारित तिथि 17.07.2026 को सभी साक्ष्य एवं कागजात के साथ 11:00 बजे पूर्वा0 उपायुक्त महोदय के न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से निश्चित रूप से उपस्थित होकर अपना पक्ष रखने हेतु आपको अंतिम अवसर दिया जा रहा है, अन्यथा आपकी अनुपस्थिति में एकपक्षीय सुनवाई कर आदेश पारित कर दिया जायेगा।

नोटिस न्यायालय के मुहर से जारी किया गया।

प्रभारी पदाधिकारी,
विधि शाखा, हजारीबाग

PR 383455 (Law)26-27*D

झारखण्ड सरकार
पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, राँची पश्चिम, राँची
(Email ID – eedwsd.ranchiwest@gmail.com)

अति अल्पकालीन निविदा स0 –04/2026–27

1. विज्ञापन दाता का नाम : कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, राँची पश्चिम राँची।
2. परिमाण विपत्र बिक्री की अन्तिम तिथि : 06-07-2026 अपराह्न 5.00 बजे तक।
3. निविदा प्राप्त करने की अन्तिम तिथि एवं समयः07-07-2026 अपराह्न 4.00 बजे तक।
4. निविदा खोलने की तिथि : 08-07-2026 अपराह्न 4.00 बजे तक।
5. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान : 1) अधीक्षण अभियंता का कार्यालय पेयजल एवं स्वच्छता, राँची अंचल राँची। 2) कार्यपालक अभियंता का कार्यालय पेयजल एवं स्वच्छता, प्रमंडल राँची पश्चिम, राँची।
6. निविदा प्राप्ति का स्थान : कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, राँची पश्चिम, राँची।
7. निविदा खोलने वाले पदाधिकारी : कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, राँची पश्चिम राँची।
8. कार्य का विवरणी :

क्र0	कार्य का नाम	नलकूपों की संख्या	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य समाप्ति की अवधि
1	2		3	4	5	6
1.	वित्तीय वर्ष 2026–27 मे पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, राँची पश्चिम, राँची के अन्तर्गत नामकुम एवं काँके प्रखण्ड के नलकूपों का साधारण मरम्मति हेतु वाह्य स्त्रोत से नलकूप मिस्त्री, अकुशल मजदूर की आपूर्ति एवं वाहन, डीजल, ड्राईवर आदि सहित नलकूप मरम्मति का कार्य (मरम्मति से सम्बन्धित Spare Parts विभाग के द्वारा निर्गत किया जायेगा)।	1092	1254708.00	25200.00	2500.00	06 माह
2.	वित्तीय वर्ष 2026–27 में पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, राँची पश्चिम, राँची के अन्तर्गत बेड़ो, ईटकी, एवं लापुंग प्रखण्ड के नलकूपों का साधारण मरम्मति हेतु वाह्य स्त्रोत से नलकूप मिस्त्री, अकुशल मजदूर की आपूर्ति एवं वाहन, डीजल, ड्राईवर आदि सहित नलकूप मरम्मति का कार्य (मरम्मति से सम्बन्धित Spare Parts विभाग के द्वारा निर्गत किया जायेगा)।	808	928392.00	19000.00	1250.00	06 माह
3.	वित्तीय वर्ष 2026–27 में पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, राँची पश्चिम, राँची के अन्तर्गत माण्डर एवं चान्हो प्रखण्ड के नलकूपों का साधारण मरम्मति हेतु वाह्य स्त्रोत से नलकूप मिस्त्री, अकुशल मजदूर की आपूर्ति एवं वाहन, डीजल, ड्राईवर आदि सहित नलकूप मरम्मति का कार्य (मरम्मति से सम्बन्धित Spare Parts विभाग के द्वारा निर्गत किया जायेगा)।	698	802002.00	16200.00	1250.00	06 माह
4	वित्तीय वर्ष 2026–27 में पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, राँची पश्चिम, राँची के अन्तर्गत रातु एवं नगड़ी प्रखण्ड के नलकूपों का साधारण मरम्मति हेतु वाह्य स्त्रोत से नलकूप मिस्त्री, अकुशल मजदूर की आपूर्ति एवं वाहन, डीजल, ड्राईवर आदि सहित नलकूप मरम्मति का कार्य (मरम्मति से सम्बन्धित Spare Parts विभाग के द्वारा निर्गत किया जायेगा)।	609	699741.00	14100.00	1250.00	06 माह
5	वित्तीय वर्ष 2026–27 में पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, राँची पश्चिम, राँची के अन्तर्गत बुढ़मू एवं खेलारी प्रखण्ड के नलकूपों का साधारण मरम्मति हेतु वाह्य स्त्रोत से नलकूप मिस्त्री, अकुशल मजदूर की आपूर्ति एवं वाहन, डीजल, ड्राईवर आदि सहित नलकूप मरम्मति का कार्य (मरम्मति से सम्बन्धित Spare Parts विभाग के द्वारा निर्गत किया जायेगा)।	597	685953.00	14000.00	1250.00	06 माह

नोटः निविदा की शर्तें एवं परिमाण विपत्र http://dwsd.jharkhand.gov.in/ से download किया जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल,
राँची पश्चिम, राँची

PR 383438 Drinking Water and Sanitation(26-27)#D

जर्मनी में विदेशी छात्रों को मिलती है कम कीमत में क्वालिटी एजुकेशन

दुनिया भर से पढ़ाई के लिए आने वाले छात्रों के लिए जर्मनी एक खुली और रंगबिरंगी सोसायटी है। अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए जर्मनी पहले ही हॉट स्पॉट बन चुका है और इसमें लगातार तेजी देखने को मिल रही है। जर्मनी में विदेशी छात्रों की संख्या बढ़कर 3.60 लाख पहुंच चुकी है यानी प्रत्येक सेमेस्टर में एक चौथाई छात्र विदेशी हैं।

दुनिया भर से पढ़ाई के लिए आने वाले छात्रों के लिए जर्मनी एक खुली और रंगबिरंगी सोसायटी है। अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए जर्मनी पहले ही हॉट स्पॉट बन चुका है और इसमें लगातार तेजी देखने को मिल रही है। जर्मनी में विदेशी छात्रों की संख्या बढ़कर 3.60 लाख पहुंच चुकी है यानी प्रत्येक सेमेस्टर में एक चौथाई छात्र विदेशी हैं।

जर्मनी में क्यों करें पढ़ाई

जर्मनी में पढ़ाई करने के कई कारण हैं जिसमें प्रमुख है शिक्षा की बेहतरीन गुणवत्ता, ट्यूशन फीस में छूट, शानदार करियर के मौके, इंगलिश में पढ़ाए जाने वाले इंटरनैशनल डिग्री प्रोग्राम आदि शामिल हैं। जर्मनी की यूनिवर्सिटिज की दुनिया में काफी प्रतिष्ठा है। टाइम्स हायर एजुकेशन वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में जर्मनी की 47 यूनिवर्सिटिज दुनिया की सबसे अच्छी यूनिवर्सिटिज में शामिल हैं। आप इस बात पर विश्वास करें या नहीं लेकिन यह सच है कि जर्मनी की कई यूनिवर्सिटिज ट्यूशन फीस नहीं लेती हैं और यह बात विदेशी छात्रों पर भी लागू होती है। इसके अलावा यहां छात्रों के पास स्कॉलरशिप प्राप्त करने के भी कई मौके होते हैं खासतौर से जर्न अकेडमिक एक्सचेंज सर्विस के जरिए। इसके भारत में कई ऑफिस हैं जो भारतीय छात्रों को उनकी जरुरत के हिसाब से कोर्स मुहैया कराती है।

भाषा

जर्मनी में विदेशी छात्र करीब 2 हजार ऐसे कोर्सेस में से अपनी पसंद का कोर्स चुन सकते हैं जिनकी पढ़ाई अंग्रेजी में कराई जाती है। इसलिए यहां जर्मन भाषा की समझ जरूरी नहीं है। हालांकि जर्मन भाषा को सीखना आगे आपके ही काम आएगा।

आइडिया का देश

जर्मनी शुरू से ही अविष्कारों का देश रहा है यहां प्रिंटिंग प्रेस से लेकर ऑटोमोबाइल और एमपी 3 फॉर्मेट का अविष्कार हुआ है। अभी तक करीब 80 जर्मन वैज्ञानिकों को नोबेल पुरस्कार मिल चुका है। वर्ल्ड इकोनॉमिक फॉरम की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक जर्मनी सबसे इनोवेटिव देश है। इसमें जर्मनी की यूनिवर्सिटिज अहम रोल निभाती है क्योंकि यहां रिसर्च काफी मजबूत है।

किसी जर्मन यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएशन करने के बाद छात्र 18 महीने जर्मनी मे नौकरी ढूंढने के लिए रूक सकते हैं। जर्मनी इंडस्ट्रीयल इनोवेशन और मैनुफैक्चरिंग में वर्ल्ड लीडर है इसलिए यहां हर समय इंजिनियर्स की कमी रहती है। इसके अलावा यहां कई ऐसे शहर हैं जहां होली और दिवाली जैसे त्योहार मनाए जाते हैं जिसके कारण यह भारतीयों के लिए बेहतरीन डेस्टिनेशन है।

जल प्रबंधन के मुद्दों को सुलझाने के लिए कुशल रणनीतिकारों और विशेषज्ञों की दुनिया भर में ज़रूरत

अगर आप विदेश जाकर करियर बनाना चाहते हैं तो आपके लिए जरूरी आर्टिकल है। यहां पर हम यहां पर टॉप-5 वॉटर डिप्लोमैसी और डेवलपमेंट कोर्सेज के बारे में बता रहे हैं, जिनमें आप बेहतरी करियर बना सकते हैं। साथ ही लाखों-करोड़ों रुपये की कमाई भी कर सकते हैं।

पानी की कमी और खराब गुणवत्ता जैसी समस्याएं आज पूरी दुनिया में देखी जा रही हैं। सबसे बड़ी बात ये समस्याएं किसी एक देश की सीमाओं में नहीं सिमटी हैं। ऐसे में वैश्विक जल प्रबंधन के मुद्दों को सुलझाने के लिए कुशल रणनीतिकारों और विकास विशेषज्ञों की ज़रूरत है। दुनिया भर में कई देश अपने जल संसाधनों का प्रबंधन टिकाऊ तरीके से करने की चुनौती का सामना कर रहे हैं। इस क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए ऐसे लोगों की ज़रूरत है जिनके पास सही विशेषज्ञता और व्यावहारिक ज्ञान दोनों का मिश्रण हो।

क्रॉस कल्चरल कम्यूनिकेशन स्किल

वैश्विक स्तर पर टिकाऊ जल कूटनीति के लिए सबसे महत्वपूर्ण कारक विभिन्न संस्कृतियों के बीच संवाद स्थापित करना और वैश्विक भाषाई परिवेश में काम करना सीखना है। पेशेवर कूटनीतिज्ञों को कूटनीतिक वार्ता, हितधारकों को जोड़ने और नीतिगत पैरवी करते समय सावधानी और खुले दिमाग का परिचय देना चाहिए।

तकनीकी विशेषज्ञता

जल विज्ञान, जल प्रबंधन सिद्धांतों और पर्यावरण विज्ञान में मजबूत आधार होना इस पेशे की नींव है। जल मॉडलिंग, जीआईएस और डेटा विश्लेषण में विशेषज्ञता आमतौर पर हायर करने वाले ढूंढते हैं।

नीति विश्लेषण और विकास

जल क्षेत्र का मूल जल नीतियों का विश्लेषण करना, उनके लागू करने के परिणामों का अध्ययन करना और बेहतर, टिकाऊ जल संसाधन प्रबंधन रणनीतियों के विकास में शामिल होना है।

वार्ता और समाधान

जल पेशेवरों में कूटनीतिक स्किल मजबूत होनी चाहिए और उन्हें विवादों का समाधान करने में सक्षम होना चाहिए ताकि पानी तनाव और संघर्ष का कारण न बने।

कोर्सेज एंड ट्रेनिंग, वाटर डिप्लोमेसी एंड गवर्नेंस

अंतर्राष्ट्रीय जल कानून, सीमा पार जल प्रबंधन और कूटनीति पर बल देने वाले पाठ्यक्रम छात्रों को साझा जल संसाधनों के प्रबंधन में शामिल जटिल मुद्दों की बुनियादी समझ प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं।

पर्यावरण नीति और रेगुलेशन

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वच्छ जल संसाधनों के लिए नियामक व्यवस्थाओं की जानकारी होना उचित कानून और रणनीतियां बनाने के लिए ज़रूरी है।

परियोजना प्रबंधन

बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को सफलतापूर्वक चलाने के लिए नेतृत्व क्षमता, बजट बनाने का कौशल, सहयोग और विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों वाली टीम वर्क की आवश्यकता होती है।

जल विज्ञान और जल प्रबंधन

ऐसे तकनीकी पाठ्यक्रम मौजूद हैं जो जल विज्ञान मॉडलिंग, जलग्रहण क्षेत्र प्रबंधन और एकीकृत जल संसाधन प्रबंधन जैसे विषयों पर पढ़ाते हैं। ये पाठ्यक्रम जल संसाधनों के टिकाऊ उपयोग के लिए व्यावहारिक शिक्षा प्रदान करते हैं।

अंतर-सांस्कृतिक संचार और वार्ता

इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम अंतर-सांस्कृतिक संचार और वार्ता कौशल पर केंद्रित होते हैं, जो वैश्विक जल क्षेत्र में विभिन्न हितधारकों के साथ सफलतापूर्वक बातचीत करने की क्षमता प्रदान करते हैं।

पेशेवर विकास कार्यक्रम

संयुक्त राष्ट्र, विश्व बैंक और क्षेत्रीय विकास बैंक जैसे संगठन अक्सर जल संसाधन प्रबंधन और अंतर्राष्ट्रीय विकास के क्षेत्र में काम करने वाले व्यक्तियों के लिए पेशेवर विकास कार्यक्रम और प्रशिक्षण के अवसर प्रदान करते हैं।

ये हैं देश की सबसे महंगी डिग्रियां, जानिए एवरेज फीस

समय के साथ देश में शिक्षा भी महंगी हो गई है। शायद यही वजह है कि अब कुछ डिग्रियों को प्राप्त करने के लिए युवाओं को ज्यादा पैसे खर्च करने पड़ते हैं। हालांकि, सरकारी कॉलेजों में फीस फिर भी कम है। लेकिन प्राइवेट कॉलेजों कई कोर्सेज के फीस बहुत ही ज्यादा है। ऐसे में आइए हम आपको बताते हैं देश की सबसे महंगी डिग्रियों के बारे में

भारत में मेडिकल, इंजीनियरिंग सहित कई कोर्स संचालित किए जाते हैं। कई कोर्स ऐसे होते हैं जिन्हें करने के बाद बढ़िया सैलरी भी मिलती है। हालांकि, ये डिग्रीयां महंगी भी होती हैं। ऐसे में आइए हम आपको बता दें कि देश की सबसे महंगी डिग्रियों के बारे में?

मेडिसिन

मेडिसिन की डिग्री भारत में महंगी डिग्री में एक है। मेडिसिन की पढ़ाई सरकारी कॉलेजों में सस्ती होती है। लेकिन अगर प्राइवेट कॉलेजों की बात करें तो मेडिसिन की डिग्री के लिए 50 लाख से 1 करोड़ रुपये तक खर्च करना पड़ सकता है।

इंजीनियरिंग डिग्री

भारत में इंजीनियरिंग डिग्री के लिए सरकारी स्कूलों में फीस एक वर्ष की 2 लाख रुपये तक है। लेकिन प्राइवेट कॉलेजों की बात करें तो इंजीनियरिंग के लिए 10 लाख रुपये या फिर उससे ज्यादा तक की फीस एक वर्ष के लिए देना पड़ सकता है।

बिजनेस डिग्री

बिजनेस मैनेजमेंट सहित अन्य कोर्सेज के लिए आईआईएम सहित अन्य सरकारी कॉलेजों को छोड़कर स्टूडेंट्स 20 से 25 लाख रुपये तक खर्च करना पड़ सकता है। हालांकि, प्राइवेट इंस्टीट्यूट में स्टूडेंट्स को कई तरह की स्कॉलरशिप भी दी जाती है।

लॉ कोर्सेज

लॉग की डिग्री लेने के लिए प्राइवेट कॉलेजों में स्टूडेंट्स को कुल 10 लाख रुपये तक खर्च करने पड़ सकते हैं। बदलते दौर के साथ लॉ के क्षेत्र में करियर ऑप्शन भी बढ़ गए हैं। जिसके चलते बड़ी संख्या में हर वर्ष स्टूडेंट्स लॉ की पढ़ाई करते हैं। यही वजह है कि कई प्राइवेट कॉलेजों की तरफ से फीस भी बढ़ा दी गई है।

एविएशन

एविएशन की डिग्री भी देश की महंगी डिग्रियों में एक है। एविएशन की पढ़ाई के लिए स्टूडेंट्स को 5 लाख रुपये से 15-20 लाख रुपये की फीस एक वर्ष की देनी पड़ सकती हैं। हालांकि, एविएशन की पढ़ाई के बाद स्टूडेंट्स को बढ़िया सैलरी भी मिलती हैं।

डिजाइन

डिजाइन कोर्सेज की गिनती भी महंगी डिग्रियों में होती है। देश के कई संस्थानों से डिजाइन कोर्सेज को करने के लिए स्टूडेंट्स को 10 से लाख रुपये तक खर्च करने पड़ सकते हैं। हालांकि, डिजाइन कोर्स करने वाले स्टूडेंट्स को बढ़िया सैलरी भी मिलती है।

फूड स्टार्टअप्स में ऐसे बनाएं करियर

बदलते जमाने के साथ लोग परंपरागत कोर्सेज से हटकर कुछ ऐसे नए कोर्स कर रहे हैं, जिससे वे न सिर्फ पैसा कमा कर रहे हैं, बल्कि अपना सपना भी पूरा कर रहे हैं। इन्हीं फील्ड में फूड स्टार्टअप भी नया विकल्प बनकर उभरा है। जिसमें आप बेहतर करियर बना सकते हैं।

खाने की दुनिया लगातार बदल रही है और इस बदलाव में सबसे आगे चल रहे हैं फूड आंत्रप्रेन्योर्स। ये नई पीढ़ी के बिजनेस करने वाले लोग परंपरागत रेस्टोरेंट के तरीकों को तोड़ रहे हैं। ये ना सिर्फ खाने के बारे में हमारे नजरिए को बदल रहे हैं, बल्कि खाने से जुड़े स्टार्टअप्स में रोजगार के नए मौके भी पैदा कर रहे हैं। अगर आप भी इस रोमांचक फील्ड में करियर बनाने की सोच रहे हैं, तो सबसे पहले ये जानना ज़रूरी है कि फूड बिजनेस से जुड़े कौन-कौन से कोर्स हैं, करियर के कौन से विकल्प मौजूद हैं और आपको किन खासियतों की ज़रूरत होगी।

पाठ्यक्रम और शिक्षा

अच्छा खाना पकाने की शिक्षा के बिना ज्यादातर फूड एंटरप्रेन्योर्स अपना सपना पूरा नहीं कर पाते। वैसे तो कुकिंग स्कूल क्लासिकल और प्रैक्टिकल तरीके से खाना बनाना सिखाने के साथ-साथ किचन मैनेजमेंट भी सिखाते हैं, लेकिन फूड एंटरप्रेन्योरशिप कोर्स रेस्टोरेंट इंडस्ट्री में बिजनेस चलाने के बारे में पूरी जानकारी देते हैं। इन कार्यक्रमों में खासतौर पर फूड प्रोडक्ट डेवलपमेंट, मार्केटिंग और फाइनेंशियल मैनेजमेंट जैसे क्षेत्रों में जानकारी दी जाती है। इससे भविष्य के फूड एंटरप्रेन्योर्स को बिजनेस में आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए जरूरी स्किल्स हासिल हो जाते हैं।

फूड स्टार्टअप्स में करियर विकल्प

शेफप्रेन्योर

जो लोग खाने के क्षेत्र में नयापन लाना चाहते हैं, उनके लिए शेफप्रेन्योर बनना एक बेहतरीन विकल्प है। ये क्रिएटिव फूड प्रोडक्ट डेवलपर होते हैं, जो अपने पाक कला के हुनर से ऐसे प्रोडक्ट्स बनाते हैं, जिनका स्वाद ग्राहकों के ज़हन में बस जाता है और उनकी ब्रांड प्रतियोगिता में अलग पहचान बनाती है।

फूड टेक्नोलॉजिस्ट

फूड टेक्नोलॉजिस्ट वो प्रोफेशनल्स होते हैं, जो खाने के सामान बनाने और उनकी खासियतों को बनाए रखने में माहिर होते हैं। फूड साइंस और टेक्नोलॉजी के ज्ञान का इस्तेमाल करते हुए ये प्रोडक्ट की क्वालिटी, सुरक्षा और शेल्फ लाइफ सुनिश्चित करते हैं, साथ ही नए प्रोडक्ट बनाने और मौजूदा प्रोडक्ट्स को बेहतर बनाने के अवसर तलाशते हैं।

मार्केटिंग और ब्रांडिंग स्पेशलिस्ट

फूड स्टार्टअप बाजार में सफलता के लिए अच्छी मार्केटिंग और ब्रांडिंग बहुत जरूरी है। मार्केटिंग प्रोफेशनल्स सोशल मीडिया, इनफ्लुएंसर कोलैबोरेशन और एक्सपीरियंसल मार्केटिंग कैम्पेन्स जैसे अलग-अलग मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए ब्रांड रिकॉल, लॉयल्टी और डिमांड पैदा करने के लिए अपने क्रिएटिव स्किल्स और रणनीतिक सोच का इस्तेमाल करते हैं।

सप्लाई चेन और ऑपरेशन्स मैनेजर

फूड स्टार्टअप की सफलता के लिए किसी भी काम की तरह सप्लाई चेन का सुचारू रूप से चलना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। सप्लाई चेन और ऑपरेशन्स मैनेजर सामान मंगवाने, प्रोडक्शन प्रोसेस को लागू करने और लॉजिस्टिक सपोर्ट का समन्वय करते हैं, जिससे पूरी सप्लाई चेन एक कुशल और पर्यावरण के अनुकूल तरीके से चलती है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

एसआईआर कार्य में वॉलंटियर्स की भूमिका अहम : उपायुक्त

✔ एसआईआर के सफल संचालन को लेकर वॉलंटियर्स को दिया गया प्रशिक्षण

संवाददाता

साहिबगंजः प्रखंड सभागार बरहेट में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के सफल संचालन को लेकर वॉलंटियर्स का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी दीपक कुमार दुबे ने उपस्थित वॉलंटियर्स को संबोधित करते हुए कहा कि एसआईआर की प्रक्रिया में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी से निर्वाचन आयोग के दिशा-निदेशों का अक्षरश पालन करते हुए पूरी गंभीरता व जिम्मेदारी के साथ कार्य करने का आह्वान किया। इस संबंध में उपायुक्त ने बताया कि 30 जून से सभी मतदाताओं के बीच एन्यूमरेशन फॉर्म का वितरण प्रारंभ होगा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक मतदाता तक फॉर्म पहुंचाना, उसे सही तरीके से भरवाना तथा निर्धारित समय सीमा के भीतर वापस प्राप्त करना इस अभियान की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है। यदि कोई मतदाता उपलब्ध नहीं होता है। तो बीएलओ को नियमानुसार तीन बार उसके घर जाकर प्रयास करना होगा।उन्होंने कहा कि यह कार्य समयबद्ध एवं श्रमसाध्य है। इसी कारण शिक्षकों सहित चिन्हित वॉलंटियर्स को बीएलओ के सहयोग के लिए लगाया गया है। प्रशिक्षण के माध्यम से सभी वॉलंटियर्स को फॉर्म भरने की प्रक्रिया आवश्यक सावधानियां एनएसडीओएफ सूची तैयार करने की प्रक्रिया तथा विभिन्न श्रेणियों के मतदाताओं के लिए निर्धारित प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी जा रही है।उन्होंने सभी वॉलंटियर्स से प्रशिक्षण के दौरान उत्पन्न होने वाले सभी संदेहों का समाधान कराने तथा आगामी एक माह तक फील्ड में सक्रिय रहकर बीएलओ को नियमानुसार सहयोग देने की अपील की। उन्होंने कहा कि जो वॉलंटियर्स प्रक्रिया को अच्छी तरह समझ लें वे अन्य साथियों का भी मार्गदर्शन करें, जिससे पूरा कार्य सुचारू रूप से संपन्न हो सके।इस अवसर पर उपायुक्त ने प्रतिभागियों को भारत निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा जारी दिशा-निदेशों की पूर्ण जानकारी उपलब्ध कराने का भी निर्देश दिया।प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी बरहेट मास्टर ट्रेनर व वॉलंटियर्स उपस्थित थे।

हूल दिवस के अवसर पर श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो:उपायुक्त

साहिबगंज :30 जून को आयोजित होने वाले हूल दिवस के सफल सुरक्षित व गरिमामय आयोजन को लेकर उपायुक्त–सह–जिला दंडाधिकारी दीपक कुमार दूबे एवं पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह ने भोगनाडीह स्थित अमर शहीद सिदो–कान्हू मुर्मू स्मृति स्थल व सिद्धो–कान्हू मुर्मू पार्क का संयुक्त रूप से निरीक्षण कर तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की।

निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि हूल दिवस के अवसर पर बड़ी संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए भी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने पेयजल बैठने की व्यवस्था, साफ–सफाई, प्रकाश व्यवस्था शौचालय, सौंदर्यीकरण, सजावट तथा श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन की समुचित व्यवस्था करने का निर्देश दिया।उपायुक्त ने स्मृति स्थल एवं पार्क परिसर में पर्याप्त संख्या में कुर्सियों की व्यवस्था करने दोनों स्थलों पर पेयजल डिस्पेंसर एवं पानी के टैंकर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उन्होंने शौचालयों को पूर्ण रूप से क्रियाशील रखने, आवश्यक मरम्मत कार्य शीघ्र पूर्ण कराने, दिशा–सूचक बोर्ड लगाने कार्यक्रम के दिन चौबीसों घंटे सफाईकमीर्यों की प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित करने को कहा।उन्होंने निर्देश दिया कि परिसर की साफ–सफाई, घास की कटाई एवं सौंदर्यीकरण का कार्य 29 जून तक हर हाल में पूरा कर लिया जाए। साथ ही मुख्य प्रवेश द्वार, रेलिंग एवं पूरे परिसर को फूल–मालाओं से आकर्षक ढंग से सजाने के निर्देश दिए।रात्रि के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए उपायुक्त ने अतिरिक्त हैलोजन स्ट्रीट लाइट एवं सोलर लाइट की जांच कर उन्हें पूर्णत: क्रियाशील रखने तथा वैकल्पिक पावर बैकअप की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान क्षतिग्रस्त विद्युत तारों को तत्काल दुरुस्त कराने का भी निर्देश दिया गया। जबकि हूल दिवस के अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु स्मृति स्थल एवं पार्क परिसर में पहुंचते हैं। इसे देखते हुए भीड़ प्रबंधन को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए प्रवेश और निकास व्यवस्था सुव्यवस्थित रखने एवं श्रद्धालुओं की सतत आवाजाही बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने पर्याप्त संख्या में दंडाधिकारियों एवं पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित करने आवश्यकतानुसार सी।सी।टी।वी की अधिष्ठापन करने तथा अधिकारियों को सतत निगरानी रखने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने सभी संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि कार्यक्रम प्रारंभ होने से पूर्व सभी तैयारियां शत–प्रतिशत पूर्ण कर ली जाएं, ताकि हूल दिवस का आयोजन श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा एवं गरिमा के अनुरूप शांतिपूर्ण, सुव्यवस्थित व सफल रुप से संपन्न कराया जा सके।निरीक्षण के दौरान उप विकास आयुक्त श्री सतीश चंद्रा, अनुमंडल पदाधिकारी सदर प्रखंड विकास पदाधिकारी बरहेट सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

न्यूज IN ब्रीफ

तीन दिवसीय उप राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ

साहिबगंजः जिले में आज से तीन दिवसीय उप-राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ होगा।इसके तहत जिले के 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के 2 लाख 64 हजार 166 बच्चों को पोलियो रोधी खुराक पिलाने का लक्ष्य रखा गया है। रविवार को इसका उद्घाटन उधवा प्रखंड क्षेत्र के गोलढाब में सुबह 10 बजे उपायुक्त ने किया। डीडीसी ने बोरियो तेतरिया पहाड़ में उद्घाटन किया,डॉ किरण माला बरहेट,पतना व बरहरवा प्रखंड क्षेत्र में उद्घाटन,सिविल सर्जन व स्टेट टीम डॉ मुकेश मिश्रा तालझारी,राजमहल व उधवा में उद्घाटन कया। उधवा प्रखंड क्षेत्र के गंगा नदी पार करके प्राणपुर पंचायत के गोलढाब गांव जाना पड़ता है। सिविल सर्जन डॉ रामदेव पासवान ने बताया कि इसके लिए जिला भर में 1411बूथ बनाये गए हैं। शहरी क्षेत्र में बूथ 85, ग्रामीण में 1248 बूथ है। 1333 टीम हाउस होल्डर के लिए लगाया गया है। 28 जून को बूथ में ही बच्चे को पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी। उसके बाद हाउस टू हाउस पिलाया जाएगा। मोबाइल टीम शहरी इलाके हटिया बस स्टैंड व मुख्य रास्ते में ये टीम 48 है,जो इन जगहों में बनाया गया है। चलता फिरता बूथ 30 है।वहीं 2882 टीम वैक्सीनेशन के लिए लगाई जाएगी। अभियान की सफलता के लिए 1483 वैक्सिनेटर व 311 सुपरवाइजर प्रतिनियुक्त किये गए हैं। 3 लाख 37 हजार पोलियो डोज आया है। शत प्रतिशत बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाना है। वही शनिवार को पुराना सदर अस्पताल से जागरूकता रैली निकाल लोगों को जागरूक किया गया। वही सभी प्रखंडों में माइकिंग करके जागरूक किया जा रहा है। सीएस डॉ रामदेव पासवान ने रैली को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। मौके पर डॉ किरण माला,डॉ मुकेश कुमार,डॉ। महमूद आलम,डॉ सतीबाबू डाबडा, आदित्य कुमार व स्वास्थ कर्मी मौजूद थे।शहरवासी बूथ में आकर अपने बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाए ओर जिला प्रदेश व देश को सुरक्षित बनाए। कोई बच्चा पोलियो रोगी से ग्रसित न हो।

बनियारा पंचायत की समस्याओं को लेकर ग्रामीणों का जन-प्रदर्शन, मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

दुमकाः जिले के सरैयाहाट प्रखंड की बनियारा पंचायत में विभिन्न जनसमस्याओं के समाधान की मांग को लेकर चिल चिलाती धूप में ग्रामीणों ने पंचायत सचिवालय परिसर में जन-प्रदर्शन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री, पंचायती राज मंत्री और उपायुक्त दुमका के नाम 10 सूत्री मांग पत्र पंचायत सचिव और मुखिया के माध्यम से सौंपा गया। पेंशन और आवास भुगतान सहित कई मांगें रखीः ज्ञापन में सामाजिक सुरक्षा, वृद्धा और दिव्यांग पेंशन सहित मंईयां सम्मान योजना की लंबित राशि के भुगतान, अबुआ आवास और प्रधानमंत्री आवास योजना की बकाया किस्त जारी करने की मांग की गई। इसके अलावा, जोंकी बांध के नाला (डांड) के जीर्णोद्धार, पंचायत सचिवालय परिसर में चापाकल लगाने तथा बनियारा बेसिक स्कूल को उत्क्रमित कर नौवीं-दसवीं की पढ़ाई शुरू कराने की मांग भी उठाई गई। आंगनबाड़ी, स्वास्थ्य केंद्र और मानदेय भुगतान की मांग : ग्रामीणों ने पंचायत के विभिन्न टोलों में आंगनबाड़ी केंद्र भवन निर्माण, सेविका-सहायिकाओं के लंबित मानदेय भुगतान और पंचायत में स्वास्थ्य उपकेंद्र की स्थापना की मांग भी की। साथ ही पंचायत प्रतिनिधियों को नियमित मानदेय देने एवं पेसा कानून को प्रभावी ढंग से लागू करने की मांग रखी गई। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांगों पर शीघ्र कार्रवाई कर समस्याओं के समाधान की दिशा में पहल करने की अपील की।

वार्ड 22 में नया ट्रांसफार्मर लगाने की मांग पार्षद ने कनीय अभियंता को सौंपा गया पत्र

संवाददाता

साहिबगंजःनगर परिषद साहेबगंज के वार्ड संख्या-22 के पार्षद सुरेंद्र यादव ने जयप्रकाश नगर क्षेत्र में लगातार हो रही विद्युत आपूर्ति की समस्या को लेकर झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड के कनीय अभियंता को पत्र सौंपकर नया ट्रांसफार्मर लगाने की मांग की है। पार्षद ने अपने पत्र में बताया कि जयप्रकाश नगर स्थित बगीचा की ओर लगे ट्रांसफार्मर पर अत्यधिक लोड होने के कारण क्षेत्र में बिजली आपूर्ति बदहाल हो गई है। भीषण गर्मी के दौरान उपभोक्ताओं को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है तथा लगभग प्रतिदिन सैकड़ों उपभोक्ताओं की बिजली आपूर्ति बाधित हो रही है।उन्होंने कहा कि क्षेत्र में एक अतिरिक्त ट्रांसफार्मर लगाए जाने से समस्या का समाधान संभव है। इसके लिए जमीन भी उपलब्ध है। साथ ही करीब 50 पोल तथा आवश्यक कवर्ड वायर लगाने की जरूरत बताई गई है। वार्ड संख्या-22 के सभी पोलों से जुड़े नंगे तारों को भी कवर्ड वायर में बदलने की मांग की गई है। पार्षद सुरेंद्र यादव ने बिजली विभाग से इस संबंध में अविलंब कार्रवाई करने की मांग करते हुए वार्ड संख्या-22 के लोगों को निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने का आग्रह किया है।

पुलिस और शिक्षा विभाग का देवघर में नशे के खिलाफ जागरुकता अभियान

–नुक्कड़–नाटक के माध्यम से दी जा रही नशे के दुष्परिणामों की जानकारी

संवाददाता

देवघरःझारखंड सरकार द्वारा राज्य को नशामुक्त बनाने के लिए व्यापक स्तर पर अभियान चलाया जा रहा है। इस कड़ी में देवघर जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग भी पूरी सक्रियता के साथ लोगों के बीच जागरुकता अभियान चला रहा है। गांव-गांव जाकर पुलिसकर्मी, शिक्षा विभाग सहित अन्य विभागों के कर्मचारी नुक्कड़-नाटक, पोस्टर और जनसंवाद के माध्यम से लोगों को नशे के दुष्परिणामों की जानकारी दे रहे हैं। साथ ही नशे की लत से जूझ रहे लोगों का इलाज कराकर मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। अभियान में शिक्षा विभाग की भूमिका अहमः इस अभियान में शिक्षा विभाग की भूमिका सबसे अहम मानी जा रही है। विभाग ने विशेष रूप से 10वीं से 12वीं कक्षा के छात्र-छात्राओं को चिन्हित किया है, क्योंकि यही वह उम्र है जब बच्चे आसानी से गलत संगत और बहकावे में आकर नशे की गिरफ्त में आ सकते हैं। डीईओ ने सभी स्कूलों के शिक्षकों को दिया निर्देशः जिला शिक्षा पदाधिकारी बिनोद कुमार ने बताया कि पूरे झारखंड की तरह देवघर में भी नशीले पदार्थों के सेवन के खिलाफ विशेष जागरुकता अभियान चलाया जा रहा है। सभी स्कूलों के शिक्षकों को निर्देश दिया गया है कि वे विद्यालयों में चौपाल आयोजित कर नाटक, चित्र और वास्तविक उदाहरणों के माध्यम से विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराएं, ताकि बच्चों में जागरूकता पैदा हो सके। पुलिस विभाग भी लगातार चला रहा अभियानः इधर, जिले में बढ़ते नशे के कारोबार पर लगाम कसने के लिए पुलिस भी लगातार अभियान चला रही है। देवघर के जसीडीह, मोहनपुर, सारठ, मधुपुर और सारवां सहित कई थाना क्षेत्रों में अभियान चलाकर अब तक 100 से अधिक तस्करों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस संवेदनशील इलाकों में लगातार निगरानी रख रही है और ब्राउन शुगर, चरस, अफीम जैसे मादक पदार्थों की तस्करी करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जा रही है। शैक्षणिक संस्थानों के आसपास स्थित दुकानों पर भी प्रशासन की विशेष नजर है। यदि कोई दुकानदार विद्यार्थियों को सिगरेट, गुटखा या अन्य नशीले पदार्थ बेचता हुआ पाया जाता है, तो उसके खिलाफ तत्काल कानूनी कार्रवाई की जा रही है। शिक्षा विभाग की अभिभावकों से अपीलः शिक्षा विभाग ने अभिभावकों से भी अपील की है कि वे अपने बच्चों की गतिविधियों पर लगातार नजर रखें। बच्चे किन लोगों के संपर्क में हैं, कहां आते-जाते हैं और उनकी संगति कैसी है इस पर विशेष ध्यान देना जरूरी है, ताकि उन्हें नशे की लत से बचाया जा सके।

लोक अदालत विवादों के निपटारे का एक प्रभावी मंच है : विश्वनाथ

संवाददाता

साहिबगंजःझारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निदेर्शानुसार व माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार साहिबगंज अखिल कुमार के मार्गदर्शन में साहिबगंज न्यायालय एवं राजमहल अनुमंडल न्यायालय परिसर में मासिक लोक अदालत का आयोजन किया गया।लोक अदालत में पक्षकारों की आपसी सहमति व सुलह-समझौते के आधार पर कुल 17 वादों का सफलतापूर्वक निष्पादन किया गया। इस आयोजन के माध्यम से लंबित मामलों के शीघ्र समाधान में सहायता मिली और पक्षकारों को त्वरित सरल एवं सुलभ न्याय उपलब्ध कराया गया। जबकि सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार साहिबगंज विश्वनाथ भगत ने लोक अदालत की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि लोक अदालत विवादों के निपटारे का एक प्रभावी मंच है।जहां आपसी सहमति एवं समझौते के माध्यम से मामलों का शांतिपूर्ण समाधान किया जाता है।इस अवसर पर न्यायिक अधिवक्तागण विभिनन विभागों के प्रतिनिधि व पक्षकारगण उपस्थित रहे।

तजिया और आकर्षक झांकी के साथ निकला मोहर्रम अखाड़ा जुलूस, गूंजे हुसैन के नारे

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवाः मोहर्रम के अवसर पर क्षेत्र में तजिया झाँकी के साथ अखाड़ा जुलूस श्रद्धा,आस्था और पारंपरिक उत्साह के साथ निकाला गया। जुलूस में बड़ी संख्या में अकीदतमंद शामिल हुए । या हुसैन के नारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। बरहरवा नगर के नौजवान मोहर्रम कमिटी हरिजनटोला कमिटी की ओर से तजिया अखाड़ा जुलूस निकाला गया जिसमें पूरे साज सज्जा और आकर्षक झाँकी जिसमें खूबसूरत जुसज्जित तजिया,डॉ।एपीजे अब्दुल कलाम की बड़ी तस्वीर और उनके द्वारा आविष्कार किये गए हस्तनिर्मित मिसाइल एवं डॉ भीमराव अंबेडकर बड़ी तस्वीर को भी झांकी में शामिल किया गया,जो जुलूस को और खूबसूरत बना रहा था। जुलूस बरहरवा नगर राजमहल रोड होते हुए नगर के विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए निर्धारित इमामबाडा हाटपाड़ा पहुंचा,जहां धार्मिक परंपराओं के अनुसार ताजिया का मिलान और अन्य रस्में अदा की गईं। अखाड़ा में युवाओं, बुजुर्गों एवं बच्चों ने पारंपरिक लाठी, तलवार एवं अन्य हैरतअंगेज करतबों का प्रदर्शन किया। जिसे देखने के लिए रास्ते भर लोगों की भीड़ उमड़ी रही। नौजवान मोहर्रम कमिटी के अध्यक्ष मो।जाकिर ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी मोहर्रम कार्यक्रम को नियमानुसार अखाड़ा जुलूस निकालते हुए पारम्परिक ढंग से मोहर्रम जुलूस को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराई गयी। वहीं उक्त कार्यक्रमों को लेकर प्रशासन की ओर से भी जगह जगह सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। पुलिस बल पूरे मार्ग पर तैनात रहे तथा पदाधिकरियों ने लगातार जुलूस की निगरानी की। इस दौरान सभी समुदायों के लोगों ने आपसी भाईचारे और सौहार्द का परिचय देते हुए जुलूस का स्वागत किया। मोर्हरम कार्यक्रम में शामिल हुए समाजसेवी सह झामुमो नेता शक्तिनाथ अमन नौजवान मुहर्रम कमिटी हरिजनटोला के मोहर्रम अखाड़ा जुलुश में बरहरवा नगर पंचायत के समाजसेवी सह झामुमो नेता शक्तिनाथ अमन भी शामिल हुए,उन्होंने मोहर्रम कमिटी के सदस्यों के साथ अखाड़े में लाठी और तलवार के साथ करतब करते हुए आपसी भाईचारे का परिचय दिया साथ ही कार्यक्रम में शामिल लोगों से शांतिपूर्ण और सुरक्षित तरीके से करतब कार्यक्रम को सपन्न करने की अपील की,ताकि करतब के दौरान किसी प्रकार की असुविधा या अप्रिय घटना न घटित हो उन्हीने यह भी कहा कि किसी प्रकार की समस्या होने पर तुरन्त सूचित करें हर सम्भव मदद करने का प्रयास किया जाएगा। श्री अमन ने हाथों से बनाये गए खूबसूरत ताजिया और झाँकी की भी खूब तारीफ की। मौके पर नौजवान मोहर्रम कमिटी के खलीफा मो।नईम,अध्यक्ष मो।जाकिर उपाध्यक्ष मो।राजू,सचिव जाफर अंसारी एवं उपसचिव मो।मिंटू कोषाध्यक्ष तौफीक अंसारी सहित भारी संख्या में समुदाय के लोग उपस्थित थे।

अगलगी में दो दुकानें जलकर राख, लाखों का नुकसान

एजेंसी

देवघर : कुंडा थाना क्षेत्र के कुंडा मोड़ पर रविवार सुबह करीब 4:30 बजे भीषण आग लगने से दो दुकानें जलकर पूरी तरह राख हो गईं। इस हादसे में हार्डवेयर, प्लाई और स्टेशनरी का लाखों रुपये का सामान नष्ट हो गया। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है, हालांकि वास्तविक कारणों की जांच जारी है। स्थानीय लोगों ने सुबह धुआं और आग की लपटें उठती देख दुकानदारों को मोबाइल पर सूचना दी। सूचना मिलते ही दुकान मालिक मौके पर पहुंचे और अग्निशमन विभाग को घटना की जानकारी दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दमकल की टीम करीब डेढ़ घंटे बाद घटनास्थल पर पहुंची, तब तक दोनों दुकानों में रखा अधिकांश सामान जलकर नष्ट हो चुका था। उषा ट्रेड के संचालक संजय कुमार ने बताया कि उनकी हार्डवेयर एवं प्लाई की दुकान में रखा पूरा सामान आग की भेंट चढ़ गया। उन्होंने लगभग 15 से 17 लाख रुपये के नुकसान का अनुमान जताया। उनका कहना है कि यदि दमकल की टीम समय पर पहुंच जाती तो नुकसान काफी कम हो सकता था।

वहीं, बगल में स्थित शिव शक्ति स्टोर के संचालक राजेश गोप ने बताया कि पड़ोसियों से सूचना मिलने पर जब वे दुकान पहुंचे तो अंदर रखा पूरा स्टेशनरी का सामान जलकर राख हो चुका था। आग की सूचना मिलते ही आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने अपने स्तर पर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग की तीव्रता के कारण सफलता नहीं मिली। बाद में अग्निशमन विभाग की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। फिलहाल पुलिस और संबंधित विभाग आग लगने के वास्तविक कारणों की जांच में जुटे हैं। इस अग्निकांड से दोनों दुकानदारों को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है।

राजकुमार संतोषी के समझाने पर किया परफॉर्म

उर्मिला ने लगभग ठुकरा दिया था 'छम्मा छम्मा' गाना

बॉलीवुड के कई ऐसे गाने हैं जो लोगों के दिलों में खास जगह बना लेता है। ऐसा ही एक गाना है फिल्म 'चाइना गेट' का मशहूर डांस नंबर 'छम्मा छम्मा', जिसे आज भी दर्शक बड़े चाव से सुनते और देखते हैं। इस गाने में अभिनेत्री उर्मिला मातोंडकर की परफॉर्मेंस को लोगों ने काफी पसंद किया था। इस गाने को लेकर अब उर्मिला ने एक दिलचस्प खुलासा किया। उन्होंने बताया कि वह इस गाने को करने के लिए शुरुआत में बिल्कुल भी तैयार नहीं थीं। उन्होंने इसके लिए लगभग मना कर दिया था। दरअसल, उर्मिला मातोंडकर टीवी शो 'इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 5' के एक एपिसोड में स्पेशल गेस्ट के तौर पर शामिल हुईं। इस दौरान उन्होंने 'छम्मा छम्मा' गाने की शूटिंग के समय को याद किया और बताया, 'जब मुझे फिल्म 'चाइना गेट' के इस गाने का ऑफर मिला और मुझे बताया गया कि यह निर्देशक राजकुमार संतोषी की फिल्म का गाना है, तो मैंने इसे करने के लिए लगभग मना कर दिया था, क्योंकि उस समय इंडस्ट्री में आइटम नंबर को लेकर एक अलग सोच थी, जिसके चलते मैं शुरुआत में इस गाने को करने में झिझक रही थी। ' उन्होंने आगे कहा, ''बाद में निर्देशक राजकुमार संतोषी ने मुझसे बात की और मेरा नजरिया बदल दिया। उन्होंने समझाया कि पहले भी एक ऐसा गाना बनाया गया था, जिसे लोग डांस करते समय हमेशा याद करते हैं। वह चाहते हैं कि मैं एक ऐसा गाना करूं जो दर्शकों के दिल और दिमाग में लंबे समय तक बना रहे। इसके बाद मैंने इस गाने को करने का फैसला लिया।''

'सुशांत सिंह केस' से हुए ट्रॉमा पर रिया चक्रवर्ती बोलीं-

मैं अभी भी पूरी तरह उबर नहीं पाई हूं

अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती ने दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद के मुश्किल दौर को याद किया। नेहा धूपिया और अंगद बेदी के चैट शो 'डबल डेट' में उन्होंने अपने भाई शोविक चक्रवर्ती के साथ मिलकर उस समय की मानसिक स्थिति, डर और तनाव के बारे में खुलकर बात की।

दरअसल, रिया और शोविक चक्रवर्ती को साल 2020 में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने ड्रग्स केस से जुड़े एक मामले में गिरफ्तार किया था। यह मामला सुशांत सिंह राजपूत की मौत से जुड़ी जांच के दौरान सामने आया था और उस समय देशभर में इस पर काफी चर्चा हुई थी। शो के दौरान दोनों भाई-बहनों ने बताया कि उस घटना के बाद उनका जीवन पूरी तरह बदल गया। रिया ने कहा कि उस समय मानसिक तनाव, डर और सामाजिक दबाव इतना ज्यादा था कि जीवन जीना भी मुश्किल हो गया था। उस समय में जो कुछ हुआ, उसने हमें अंदर तक झकझोर दिया और उसका असर लंबे समय तक रहा। शोविक चक्रवर्ती ने अपने पुराने जीवन को याद करते हुए कहा, ''एक समय पर मैं बिल्कुल अलग जिंदगी जी रहा था। मेरा सपना था कि मैं आईआईएम या व्हार्टन जैसे बड़े बिजनेस स्कूल में पढ़ाई करूं लेकिन अचानक सब कुछ बदल गया।

'बालिका वधू' की सुमित्रा बनीं स्मिता बंसल का छलका दर्द, बोलीं-

काम की वजह से मेरे और बेटी के बीच आ गई थीं दूरी

टेलीविजन की दुनिया में अभिनेत्री स्मिता बंसल ने 'बालिका वधू' शो में 'सुमित्रा' का किरदार निभाकर दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई। हाल ही में उन्होंने एक टीवी टॉक शो 'तुम हो ना- घर की सुपरस्टार' में अपनी निजी जिंदगी से जुड़ा एक बेहद भावुक अनुभव साझा किया और बताया कि लगातार शूटिंग और काम की व्यस्तता के कारण उन्हें अपने घर और बच्चों के साथ समय नहीं मिल पाता था। शो के दौरान बातचीत में स्मिता बंसल ने कहा, ''एक कलाकार होने के नाते मैं अपने काम को पूरी ईमानदारी से निभाती हूं लेकिन इसी बीच कई बार परिवार से दूर रहने का दर्द भी मुझे अंदर ही अंदर महसूस होता है। प्रोफेशनल कमिटमेंट्स के चलते कई बार मैं अपने निजी रिश्तों को उतना समय नहीं दे पाती, जितना एक मां के रूप में देना चाहिए।'' शो के दौरान स्मिता ने बताया, 'एक बार जब मैं शूटिंग से घर लौटी, तो मैंने अपनी बेटी को खुद सुलाने का फैसला किया। उस समय मेरी बेटी ने मेरे साथ सोने से मना कर दिया और अपनी दादी के साथ सोने की इच्छा जताई। उस पल मुझे एहसास हुआ कि काम की वजह से मेरे और मेरी बेटी के बीच भावनात्मक रूप से थोड़ी दूरी आ गई है। यह मेरे लिए बहुत बड़ा दर्द था। स्मिता बंसल ने आगे बताया, ''लोग मुझे टीवी पर अलग-अलग किरदारों के लिए जानते थे। कभी कोई मुझे 'आनंदी की मां' कहता था, तो कभी 'जग्या की मां'।

साई और रणबीर 'रामायण' में अपने किरदारों के साथ पूरा न्याय करेंगे: दीपिका चिखलिया

रामानंद सागर की प्रसिद्ध शो 'रामायण' में माता सीता की भूमिका निभाकर घर-घर में पहचान बनाने वाली अभिनेत्री दीपिका चिखलिया अपनी आने वाली फिल्म 'तेरा मेरा नाता' को लेकर सुर्खियों में हैं। उन्होंने निर्देशक नीतेश तिवारी की आने वाली फिल्म 'रामायण' को लेकर अपनी राय दी, जिसमें रणबीर कपूर भगवान राम और साई पल्लवी माता सीता की भूमिका में दिखाई देंगे। दीपिका ने दोनों कलाकारों पर भरोसा जताते हुए कहा कि वे इस धार्मिक कहानी को अच्छे तरीके से पर्दे पर पेश करेंगे। आईएएनएस से बात करते हुए दीपिका चिखलिया ने कहा, 'मैंने साई पल्लवी और रणबीर कपूर दोनों के काम को देखा है और वे दोनों बहुत ही अच्छे कलाकार हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि वे दोनों अपने-अपने किरदारों के साथ न्याय करेंगे। रामायण को पर्दे पर दिखाना आसान नहीं होता, लेकिन अगर सही कलाकार हो, तो इसे बहुत खूबसूरती के साथ पेश किया जा सकता है। मुझे लगता है कि दोनों कलाकार इस जिम्मेदारी को समझते हैं और अपने प्रदर्शन से दर्शकों को प्रभावित करेंगे। ' साई पल्लवी और रणबीर कपूर को लेकर दीपिका चिखलिया ने कहा, ''साई पल्लवी के अभिनय में सादगी और गहराई दोनों हैं। वहीं रणबीर कपूर का अभिनय काफी प्रतिभाशाली है। वह हर भूमिका में खुद को ढाल लेते हैं। जब इतने मजबूत कलाकार किसी पौराणिक कहानी का हिस्सा बनते हैं, तो दर्शकों को एक अच्छा अनुभव मिलता है।'' रामायण की विरासत पर बात करते हुए दीपिका चिखलिया ने कहा, ''यह मेरे लिए बहुत सौभाग्य की बात है कि मुझे इस तरह के धार्मिक किरदार को निभाने का मौका मिला। जब मैंने माता सीता का किरदार निभाया था, तब मुझे अंदाजा नहीं था कि यह भूमिका मेरे जीवन का इतना बड़ा हिस्सा बन जाएगी। लोगों ने मुझे जो प्यार और सम्मान दिया है, वह मेरे लिए बेहद खास है।'' दीपिका ने कहा, ''आज भी कई लोग मुझे माता सीता के रूप में ही देखते हैं। कई बार लोग मेरे सामने झुककर मेरे पैर छू लेते हैं। शुरुआत में मुझे यह समझ नहीं आता था कि लोग ऐसा क्यों करते हैं, लेकिन धीरे-धीरे समझ आने लगा कि लोग यह सम्मान मुझे नहीं, बल्कि माता सीता के किरदार के प्रति अपनी श्रद्धा के कारण देते हैं। काम में है जीवन की चिंताओं को दूर करने की ताकत, ये रुका तो सब रुक जाएगाः अमिताभ बच्चन

मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने एक नोट शेयर किया, जिसमें उन्होंने कहा कि काम में जिंदगी की चिंताओं को दूर करने की ताकत होती है। उन्होंने सभी को फोकस बनाए रखने और आगे बढ़ते रहने के लिए प्रोत्साहित किया। अभिनेता ने अपने ब्लॉग पर लिखा, 'आज का काम खत्म हुआ और अब अपने पर काम करना है।

अक्षय पर अक्षरा सिंह बोलीं

दुनिया उनके स्टारडम की करती है तारीफ पर

मुझे उनका विनम्र स्वभाव करता है प्रेरित

भोजपुरी अभिनेत्री अक्षरा सिंह ने अपनी आगामी फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' के एक कार्यक्रम में अक्षय कुमार के साथ मंच साझा करने के बाद उनके लिए एक भावुक संदेश साझा किया। उन्होंने इस पल को 'सपना सच होने जैसा' बताया और कहा कि वह अभिनेता की विनम्रता और सादगी की प्रशंसक हैं। मुरादाबाद में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान भोजपुरी अभिनेत्री अक्षरा सिंह ने अक्षय कुमार के साथ मंच साझा करते हुए कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा कीं। उन्होंने लिखा, 'खिलाड़ी कुमार के साथ यादगार मुरादाबाद। कभी अक्षय कुमार सर को स्क्रीन पर देखकर तालियां बजाती थी, आज उनके साथ मंच साझा कर रही हूं। अभिनेत्री ने आगे कहाः 'उनकी स्टारडम दुनिया देखती है, लेकिन मुझे उनकी सादगी और विनम्रता ने सबसे ज्यादा प्रेरित किया है। उनकी मौजूदगी बेहद प्रभावशाली है, लेकिन उनकी इंसानियत उससे भी ज्यादा खूबसूरत है। मैं बेहद आभारी हूं। इसे संभव बनाने के लिए अपने परिवार और प्रशंसकों के समर्थन, प्यार और आशीर्वाद का दिल से धन्यवाद। फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' में अक्षरा सिंह और अक्षय कुमार 'घिस घिस घिस' नामक गीत में साथ नजर आएंगे। फिल्म में सुनील शेट्टी, परेश रावल, जॉनी लीवर, राजपाल यादव, अरशद वारसी, तुषार कपूर, श्रेयस तलपड़े, आफताब शिवदासानी, जैकी श्रॉफ, दलेर मेहंदी, मीका सिंह, रवीना टंडन, लारा दत्ता, जैकलीन फर्नांडिस, दिशा पटानी, उर्वशी रौतेला, फरीदा जलाल, कृष्णा अभिषेक, मुकेश तिवारी, यशपाल शर्मा, विंदू दारा सिंह, किरण कुमार, जाकिर हुसैन, पंकज धीर, पुनीत इस्सर, किकू शारदा, फिरोज खान (अर्जुन), सुदेश बेरी और व्रीही कोडवारा भी प्रमुख भूमिकाओं में दिखाई देंगे। यह फिल्म लोकप्रिय वेलकम फ्रेंचाइजी की तीसरी किस्त है। इस श्रृंखला की पहली फिल्म 2007 में रिलीज़ हुई थी जबकि इसका दूसरा भाग वेलकम बैक 2015 में सिनेमाघरों में प्रदर्शित हुआ था।

स्टीव क्लार्क का स्कॉटलैंड पुरुष फुटबॉल टीम के मुख्य कोच पद से इस्तीफा

एजेंसी

नई दिल्ली : स्कॉटलैंड की पुरुष राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के मुख्य कोच स्टीव क्लार्क ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया । स्कॉटिश फुटबॉल एसोसिएशन ने यह जानकारी दी । एसोसिएशन ने बयान में कहा कि स्कॉटलैंड के फीफा विश्व कप 2026 से बाहर होने की पुष्टि के बाद देश के सबसे सफल राष्ट्रीय कोच ने अपने सात साल के कार्यकाल को समाप्त करने का फैसला किया है। स्टीव ने अपने कार्यकाल के दौरान स्कॉटलैंड को 28 वर्ष में पहली बार पुरुष फीफा विश्व कप में पहुंचाया। साथ ही लगातार दो बार यूईएफए यूरोपीय चैम्पियनशिप के लिए क्वालीफाई कराया। स्कॉटलैंड ने फीफा विश्व कप 2026 में अपने अभियान की शुरूआत हैती के खिलाफ 1-0 की जीत के साथ की थी। इसके बाद मोरक्को और ब्राजील से हार के कारण स्कॉटलैंड अपने ग्रुप में तीसरे स्थान पर रहा और टूर्नामेंट से बाहर हो गया। स्टीव क्लार्क ने अपने कार्यकाल के दौरान टीम की उपलब्धियों पर गर्व व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस विदाई का सबसे भावुक पहलू मेरे खिलाड़ियों के लिए है, जिनके बिना 2019 से अब तक हमने जो भी यादें संजोई हैं, वे नहीं होतीं। वे हर प्रशंसा और सम्मान के पात्र हैं और उनका कोच कहलाना मेरे लिए सचमुच एक सम्मान की बात रही। उन्होंने कहा कि मुझे मौका देने के लिए धन्यवाद और मेरे उत्तराधिकारी को शुभकामनाएं। स्कॉटिश फुटबॉल एसोसिएशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी इयान मैक्सवेल ने कहा कि हम सभी ग्रुप चरण में विश्व कप से बाहर होने से निराश हैं, लेकिन हमें स्टीव के सात वर्ष के कार्यकाल के दौरान हुई शानदार प्रगति को नहीं भूलना चाहिए। उन्होंने स्कॉटलैंड को एक बड़े टूर्नामेंट में वापस लाने की जिम्मेदारी को बखूबी निभाया। हम स्टीव को उनके रिकॉर्ड तोड़ योगदान के लिए धन्यवाद देते हैं।

एशिया कप ब्रिज चैंपियनशिप में भारत ने जीते चार पदक

एजेंसी

पणजी : मेजबान भारत ने पांचवीं एशिया कप ब्रिज चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन रजत और एक कांस्य पदक के साथ अपने अभियान का समापन किया। विभिन्न वर्गों में भारतीय खिलाड़ियों के लगातार अच्छे प्रदर्शन ने देश की बढ़ती ताकत को एक बार फिर साबित किया। भारतीय दल की सबसे उल्लेखनीय उपलब्धि सीनियर्स वर्ग में रही, जहां भारत-बी टीम ने पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया। टीम ने लीग चरण में शीर्ष स्थान हासिल करने के बाद सेमीफाइनल में जापान को बेहद रोमांचक मुकाबले में एक अंक के अंतर से हराकर फाइनल में जगह बनाई। खिताबी मुकाबले में भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कड़ा संघर्ष करना पड़ा और उसे रजत पदक से संतोष करना पड़ा। सुकामल दास, हेमंत जालान, जितेंद्र सोलानी, अनिल पाध्ये, राजेश दलाल और राजू टोलानी से सुसज्जित भारतीय टीम ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया। दपुरुष टीम स्पर्धा में भारत-ए टीम ने कांस्य पदक जीतकर देश को एक और सफलता दिलाई। वहीं मैचपॉइंट फाइनल्स में भी भारतीय खिलाड़ियों ने प्रभावशाली प्रदर्शन किया। महिला युगल वर्ग में सवलीन ठडानी और साधना गुप्ता ने रजत पदक हासिल किया, जबकि सीनियर्स युगल वर्ग में सुबीर मजूमदार और सुजीत कुमार भट्टाचार्य ने भी रजत पदक अपने नाम किया। चैंपियनशिप के विभिन्न टीम वर्गों में ऑस्ट्रेलिया ने सीनियर्स खिताब जीता, जबकि पुरुष वर्ग में हांगकांग चीन, महिला वर्ग में इंडोनेशिया और मिश्रित टीम वर्ग में चीन विजेता बना। इसके अलावा, फ्रेंडशिप पेयर्स प्रतियोगिता में भी भारत ने शानदार प्रदर्शन किया। अरुण बापट और अजय खरे की जोड़ी ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि कामना शर्मा और अभिजीत पाल ने कांस्य पदक हासिल कर देश की उपलब्धियों में इजाफा किया।

65वीं राष्ट्रीय अंतरराज्यीय सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में मप्र के समरदीप सिंह ने जीता रजत पदक

भोपाल : मध्य प्रदेश राज्य एथलेटिक्स अकादमी के खिलाड़ी समरदीप सिंह ने ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में चल रही 65वीं राष्ट्रीय अंतरराज्यीय सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में शनिवार को पुरुष शॉट पुट स्पर्धा में 20.40 मीटर का प्रभावशाली थ्रो करते हुए रजत पदक अर्जित किया। भुवनेश्वर में 65वीं राष्ट्रीय अंतर्राज्यीय सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप का आयोजन 24 से 28 जून 2026 तक किया जा रहा है। प्रतियोगिता के चौथे दिन शनिवार को सायंकालीन सत्र में आयोजित पुरुष शॉट पुट स्पर्धा में समदीप सिंह ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रदेश का गौरव बढ़ाया। एशियाई खेल 2026 के लिए किया क्वालीफाई समरदीप सिंह ने अपने शानदार प्रदर्शन के बल पर एशियाई खेल 2026 के लिए निर्धारित क्वालीफिकेशन मानक भी प्राप्त कर लिया है। राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए उन्होंने न केवल पदक हासिल किया, बल्कि अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में देश का प्रतिनिधित्व करने का अवसर भी सुनिश्चित किया। मध्य प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने समरदीप सिंह को इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि प्रदेश के खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि समरदीप आगामी एशियाई खेलों में भी देश और प्रदेश का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने कहा कि समरदीप सिंह की यह सफलता प्रदेश के उभरते खिलाड़ियों के लिए प्रेरणादायी है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज आगरा दौरे पर- कानून व्यवस्था और विकास कार्यों की करेंगे समीक्षा

एजेंसी

आगरा : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को आगरा दौरे पर रहेंगे , इस दौरान वे लोक निर्माण विभाग की प्रचलित तथा आगामी परियोजनाओं की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश देंगे। इसके बाद वे आगरा में ही कानून व्यवस्था तथा विकास परियोजनाओं की समीक्षा करने के बाद लखनऊ वापिस लौट जाएंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आगरा भ्रमण प्रोटोकॉल के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री लखनऊ से राजकीय वायुयान द्वारा चलकर सुबह 11 बजे खेरिया सिविल एयरपोर्ट आगरा आगमन करेंगे और यही से हेलीकॉप्टर द्वारा हाथरस के सलेमपुर इंडस्ट्रियल एरिया के लिए प्रस्थान कर जाएंगे। हाथरस में कार्यक्रम में भाग लेने के बाद करीब दोपहर 1:00 बजे आगरा पुनः वापस आ जाएंगे। दोपहर में 1:00 बजे से 2:15 तक आगरा मंडलायुक्त सभागार में पीडब्ल्यूडी की देखरेख में चल रहे पुरानी निर्माण परियोजनाओं के कामों और प्रगति की समीक्षा की जाएगी और नई योजनाओं पर अधिकारियों के साथ मंथन होगा।दोपहर 2.15 से 2:45 बजे तक आरक्षित समय के बाद योगी आदित्यनाथ 2.45 से 3:45 बजे तक विकास परियोजनाओं और कानून व्यवस्था की समीक्षा भी करेंगे इसके बाद शाम 4:00 बजे खेरिया एयरपोर्ट से लखनऊ के लिए वापस लौट जाएंगे

इस कार्यक्रम के लिए योगी आदित्यनाथ को 23 जून को आगरा आना था लेकिन लखनऊ में कोचिंग सेंटर में हुए अग्निकांड के कारण उनका दौरा रद्द कर दिया गया था। मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरे को लेकर आगरा प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने शनिवार देर शाम तक कमिश्नरी परिसर, सभागार एवं सर्किट हाउस का सघन निरीक्षण किया और कमियों को दूर करने के लिए आवश्यक निर्देश दिए। सुरक्षा की दृष्टि से भी पर्याप्त पुलिस प्रबंध किए जा रहे हैं। खेरिया सिविल एयरपोर्ट से लेकर सर्किट हाउस मार्ग तक सभी संवेदनशील और भीड़ वाले वाले बिंदुओं पर सुरक्षा और यातायात व्यवस्था के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं।

डीएम ने पिलाई पोलियो की दो बूंद, सीवान में पांच दिवसीय अभियान का आगाज

एजेंसी

सीवान : जिले में रविवार से शुरू हुए पांच दिवसीय राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ पचरुखी प्रखंड के पकड़ी बंगाली आंगनवाड़ी केंद्र संख्या-202 पर जिलाधिकारी विवेक रंजन मैत्रेय ने एक बच्चे को पोलियो की दो बूंद दवा पिलाकर किया। अभियान की शुरूआत जिलाधिकारी के निर्देश पर आशा कार्यकर्ता संध्या देवी द्वारा फीता काटकर की गई। इसके बाद सिविल सर्जन डॉ. श्रीनिवास प्रसाद, जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी डॉ. अरविंद कुमार, डीएमओ डॉ. ओपी लाल, डीपीएम विशाल कुमार सिंह, डब्ल्यूएचओ के आरआरटी डॉ. अमजद अली तथा पचरुखी के मेडिकल ऑफिसर ने भी बच्चों को पल्स पोलियो की खुराक पिलाई। जिलाधिकारी विवेक रंजन मैत्रेय ने कहा कि पोलियो मुक्त समाज बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है. जिले के प्रत्येक पांच वर्ष तक के बच्चे को पोलियो की दो बूंद दवा अवश्य पिलाई जाए। उन्होंने सभी अभिभावकों से अपील किया कि स्वास्थ्य विभाग की टीम का सहयोग करें और किसी भी बच्चे को इस जीवनरक्षक खुराक से वंचित न रहने दें।सिविल सर्जन डॉ. श्रीनिवास प्रसाद ने बताया कि जिले में 3 लाख 82 हजार 173 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए 5 लाख 37 हजार 886 घरों तक स्वास्थ्यकर्मी पहुंचेंगे। अभियान को सफल बनाने के लिए 1306 हाउस-टू-हाउस टीम, 167 ट्रांजिट टीम, 35 मोबाइल टीम, 477 सुपरवाइजर तथा 2996 टीकाकर्मियों की तैनाती की गई है। उन्होंने कहा कि अभियान के दौरान कोई भी पांच वर्ष तक का बच्चा पोलियो की खुराक से वंचित नहीं रहना चाहिए।इसके लिए सभी अभिभावकों से सहयोग की अपील की गई है। कार्यक्रम में स्वास्थ्य प्रबंधक अंजनी कुमार, शाहिद अर्शलान, अशोक कुमार शर्मा, आलोक सुधाकर समेत स्वास्थ्य विभाग के कई पदाधिकारी एवं कर्मी मौजूद रहे।

मध्य प्रदेश के 45 जिलों में आज तेज आंधी-बारिश की चेतावनी, 3-4 दिन में मानसून आगे बढ़ने के संकेत

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश में मानसून के अगले 3 से 4 दिनों के भीतर आगे बढ़ने की संभावना है। अभी तक मानसून प्रदेश के 15 जिलों तक पहुंच चुका है, जबकि कई इलाकों में इसकी दस्तक का इंतजार है। इस बीच आज रविवार को भोपाल सहित 45 जिलों में तेज आंधी और बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार, भोपाल, रायसेन, सीहोर, राजगढ़, विदिशा, इंदौर, झाबुआ, अलीराजपुर, धार, बुरहानपुर, बड़वानी, खंडवा, खरगोन, उज्जैन, नीमच, मंदसौर, रतलाम, आगर-मालवा, शाजापुर, देवास, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, जबलपुर, कटनी, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, बालाघाट, मंडला, डिंडौरी, रीवा, सतना, सीधी, सिंगरौली, मऊगंज, मैहर, शहडोल, उमरिया, अनूपपुर, सागर, पन्ना, दमोह और छतरपुर में आंधी के साथ बारिश होने की संभावना है। वहीं ग्वालियर, श्योपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, निवाड़ी और टीकमगढ़ में दिन के समय धूप रहने के बाद शाम के समय मौसम बदल सकता है। इन

जिलों में हल्की बारिश के आसार जताए गए हैं।

ग्वालियर-चंबल में अब भी गर्मी का असर

ग्वालियर-चंबल संभाग सहित प्रदेश के कई हिस्सों में मानसून अभी तक नहीं पहुंचा है। इसके कारण गर्मी का असर बना हुआ है। ग्वालियर में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज किया गया है।

कई जिलों में बारिश से राहत, कहीं नुकसान

शनिवार रात राजधानी भोपाल में गरज-चमक के साथ अच्छी बारिश हुई, जिससे कई इलाकों में बिजली आपूर्ति प्रभावित रही। शिवपुरी में मानसून की पहली तेज बारिश और आंधी ने नुकसान पहुंचाया। तेज हवाओं के चलते कई स्थानों पर पेड़ और बिजली के खंभे गिर गए। रतलाम में बारिश के कारण सड़कें और अंडरब्रिज जलमग्न हो गए, जबकि झाबुआ में भी जोरदार बारिश दर्ज की गई। विदिशा में दिनभर की उमस और गर्मी के बाद शाम को हुई बारिश से लोगों को राहत मिली।

सामान्य से 41 प्रतिशत कम बारिश

प्रदेश में पिछले चार दिनों से लगातार बारिश का दौर जारी है और कई जिलों में 4 इंच से अधिक वर्षा रिकॉर्ड की गई है। इससे प्रदेश के कुल वर्षा आंकड़ों में सुधार हुआ है। 1 जून से अब तक प्रदेश में औसतन 107.3 मिमी (4.2 इंच) बारिश होनी चाहिए थी, जबकि अब तक 63.5 मिमी (2.5 इंच) बारिश दर्ज की गई है, जो सामान्य से 41 प्रतिशत कम है। 24 जून तक यह कमी 50 प्रतिशत थी, यानी अब तक वर्षा के आंकड़ों में 9 प्रतिशत का सुधार हुआ है।

पूविवि के बीपीएड कॉलेजों में 450 सीटों पर प्रवेश शुरू, 30 जून तक करें आवेदन

एजेंसी

जौनपुर : यूपी के जौनपुर स्थित वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय (पूविवि) से संबद्ध बीपीएड कॉलेजों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। विश्वविद्यालय ने इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए 30 जून तक आवेदन आमंत्रित किए हैं। इसके बाद प्रवेश प्रक्रिया शुरू होगी। आवश्यकता पड़ने पर अभ्यर्थियों की दक्षता परीक्षा भी आयोजित की जाएगी। इस संबंध मे रविवार को जानकारी लेने पर विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक विनोद सिंह ने बताया कि जौनपुर और गाजीपुर जिले में कुल आठ संबद्ध बीपीएड कॉलेज संचालित हैं, जिनमें कुल 450 सीटों पर प्रवेश होगा। इनमें जौनपुर जिले में केवल श्री हरि महाविद्यालय, लहंगपुर (जलालपुर) में बीपीएड पाठ्यक्रम संचालित है, जबकि शेष सात कॉलेज गाजीपुर जिले में स्थित हैं।बीते एक दशक से

अधिक समय से बीपीएड शिक्षकों के पदों पर नई नियुक्तियां नहीं होने के कारण इस पाठ्यक्रम के प्रति छात्रों का आकर्षण लगातार कम हुआ है। इसका असर प्रवेश प्रक्रिया पर भी पड़ रहा है और हर वर्ष बड़ी संख्या में सीटें खाली रह जाती हैं।हालांकि, अन्य राज्यों में बीपीएड शिक्षकों की नियुक्तियां होने के कारण वहां के अभ्यर्थी पूर्वांचल विश्वविद्यालय से संबद्ध कॉलेजों में प्रवेश लेने पहुंच रहे हैं। इसके बावजूद आवेदन कम मिलने से कॉलेज संचालकों को इस बार भी सीटें खाली रहने की चिंता बनी हुई है।

वीबी–जी राम जी योजना पर राज्यों की आपत्तियों का दावा, कांग्रेस ने केंद्र सरकार को घेरा

एजेंसी

नई दिल्ली : कांग्रेस ने विकसित भारत-रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) गारंटी योजना (वीबी-जी राम जी) को लेकर कई राज्यों द्वारा नई योजना पर गंभीर आपत्तियां जताए जाने का दावा किया है। पार्टी के अनुसार, मध्य प्रदेश, बिहार और उत्तराखंड जैसे भाजपा शासित राज्यों ने राज्यों पर पड़ने वाले अतिरिक्त वित्तीय बोझ पर सवाल उठाए हैं। इसके अलावा कम से कम पांच राज्यों ने ग्रामीण श्रमिकों की मजदूरी बढ़ाने की मांग की है। कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा कि ग्रामीण विकास मंत्री के गृह राज्य की ओर से भी इस नई योजना को लेकर चिंता व्यक्त की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने ग्रामीण विकास संबंधी संसदीय स्थायी

समिति, राज्य सरकारों और अन्य हितधारकों से पर्याप्त परामर्श किए बिना ही महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को समाप्त करने संबंधी विधेयक संसद से पारित करा दिया। जयराम रमेश ने कहा कि मध्य प्रदेश, बिहार और उत्तराखंड जैसे राज्यों ने नई व्यवस्था के तहत राज्यों पर पड़ने वाले अतिरिक्त वित्तीय बोझ को लेकर चिंता जताई है। कई राज्यों को आशंका है कि योजना के संचालन और वित्तपोषण में राज्यों की हिस्सेदारी बढ़ने से उनके बजट पर अतिरिक्त दबाव पड़ेगा। उन्होंने कहा कि चार अन्य राज्य सरकारों ने खेती के चरम मौसम के दौरान प्रस्तावित ब्लैकआउट अवधि का विरोध किया है। इस अवधि में रोजगार उपलब्ध न होने से ग्रामीण श्रमिकों और किसानों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। कम से कम पांच राज्यों ने ग्रामीण श्रमिकों की मजदूरी बढ़ाने की मांग की है ताकि बढ़ती महंगाई और जीवन-यापन की लागत के अनुरूप उन्हें पर्याप्त आय मिल सके। उन्होंने कहा कि 01 जुलाई से मनरेगा के स्थान पर लागू की जा रही वीबी-जी राम जी योजना को लेकर राज्यों के बीच असंतोष बढ़ रहा है। मनरेगा ग्रामीण परिवारों को रोजगार की गारंटी प्रदान करती थी, जबकि नई योजना से राज्यों पर वित्तीय दबाव बढ़ने और निर्णय प्रक्रिया के अधिक केंद्रीकृत होने की आशंका है। जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने प्रतिशोध और राजनीतिक कारणों से प्रेरित होकर मनरेगा को समाप्त किया है। ग्रामीण रोजगार और आजीविका सुरक्षा से जुड़े किसी भी बड़े बदलाव से पहले व्यापक चर्चा, संसदीय समीक्षा और राज्यों के साथ सहमति बनाना आवश्यक था।

बड़ा भंगाल में रात बिताने वाले पहले मुख्यमंत्री बने सुक्खू, मुख्यमंत्री के दौरे से बड़ा भंगाल वासी हुए गदगद

एजेंसी

धर्मशाला : मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू के दुर्गम क्षेत्र बड़ा भंगाल दौरे से क्षेत्र के लोगों में उत्साह का माहौल है। स्थानीय निवासियों ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वर्ष 2011 के बाद पहली बार किसी मुख्यमंत्री ने बड़ा भंगाल का दौरा किया है। अहम यब है कि यह पहला अवसर है जब किसी मुख्यमंत्री ने बड़ा भंगाल में रात्रि प्रवास किया है। ग्रामीणों ने विश्वास जताया कि मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणाओं और दिए गए निदेर्शों से बड़ा भंगाल के विकास को नई गति मिलेगी। उधर बड़ा भंगाल के दौरे के दौरान मुख्यमंत्री पूरी तरह स्थानीय संस्कृति और परंपराओं में रंगे नजर आए। उन्होंने

पारंपरिक वेशभूषा ह्यचोला-डोराह्न धारण कर सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लिया तथा स्थानीय लोगों के साथ पारंपरिक लोकनृत्य में भी सहभागिता की। मुख्यमंत्री ने स्थानीय किसानों के खेतों का दौरा कर उनकी समस्याओं को नजदीक से समझा। उन्होंने किसानों से राजमाह की खेती के उत्पादन और विपणन से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की तथा भेड़पालकों की समस्याएं भी सुनीं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेशभर में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दे रही है तथा किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य सुनिश्चित करने के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सरकार ने ऊन का समर्थन मूल्य 100 रुपये प्रति किलोग्राम निर्धारित किया है, जिससे भेड़पालकों और स्थानीय किसानों को लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि बड़ा भंगाल के लोग भी सरकार की इस योजना का लाभ ले सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य सरकार ने ह्यराजीव गांधी प्राकृतिक खेती स्टार्ट-अप योजनाह्न लागू की है। इसके तहत प्राकृतिक खेती से उत्पादित गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 60 रुपये से बढ़ाकर 80 रुपये प्रति किलोग्राम, मक्का का 40 रुपये से बढ़ाकर 50 रुपये प्रति किलोग्राम तथा पांगी घाटी में उत्पादित जौ का समर्थन मूल्य 60 रुपये से बढ़ाकर 80 रुपये प्रति किलोग्राम किया गया है। इसके अतिरिक्त हल्दी का न्यूनतम समर्थन मूल्य 90 रुपये से बढ़ाकर 150 रुपये प्रति किलोग्राम किया गया है, जबकि अदरक के लिए 30 रुपये प्रति किलोग्राम का समर्थन मूल्य निर्धारित किया गया है। इस अवसर पर स्थानीय विधायक किशोरी लाल, उपायुक्त हेमराज बैरवा तथा पुलिस अधीक्षक कुलभूषण वर्मा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे।

न्यूज IN ब्रीफ

बिहार के सीवान में पांच माह की मासूम की मौत

सीवान : सीवान जिले के पचरुखी थाना क्षेत्र के वरतवालिया गांव में पांच माह की मासूम बच्ची की संदिग्ध मौत ने पूरे इलाके को झकझोर दिया है। मृत बच्ची की मां ने पति और सास पर दूध में जहर मिलाकर हत्या करने तथा साक्ष्य मिटाने के लिए शव को श्मशान में दफनाने का गंभीर आरोप लगाया है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए शनिवार की रात करीब 11 बजे इटवा गांव के श्मशान घाट में कब्र खुदवाकर बच्ची का शव बाहर निकलवाया और पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। पीड़िता पुतुल देवी ने पचरुखी थाने में दिए आवेदन में आरोप लगाया है कि बच्ची के जन्म के बाद से ही उसका पति राजू यादव बेटी होने से नाराज रहता था। बच्ची के एक माह की होने पर वह उसे लेकर मायके चली गई थी। 25 जून को वह बच्ची के साथ ससुराल लौटी। आरोप है कि 26 जून को जब वह स्नान करने गई हुई थी, उसी दौरान पति और सास ने दूध में जहर मिलाकर बच्ची को पिला दिया। लौटने पर उसने अपनी पांच माह की पुत्री को मृत अवस्था में पाया। मां का आरोप है कि हत्या के बाद दोनों ने मिलकर साक्ष्य छिपाने की नीयत से बच्ची के शव को इटवा गांव के श्मशान घाट में दफना दिया। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने देर रात मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में कब्र खुदवाकर शव बरामद किया। इसके बाद मेडिकल टीम की निगरानी में सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम कराया गया।
पचरुखी थानाध्यक्ष प्रमोद कुमार ने बताया कि मां के आवेदन के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर मामले की गहन जांच की जा रही है। दोषियों के खिलाफ कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। बच्ची की मौत के कारण की आधिकारिक पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगी। फिलहाल मां के आरोपों के आधार पर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

काशी से अमरनाथ यात्रा के लिए पहला जत्था रवाना, सेवादारों ने संभाली सेवा की कमान

वाराणसी : बाबा बफार्नी के पवित्र दर्शन के लिए अमरनाथ यात्रा शुरू होते ही धर्मनगरी काशी से सेवादारों और श्रद्धालुओं का पहला जत्था रविवार को चंदनबाड़ी (जम्मू–कश्मीर) के लिए रवाना हो गया। श्री काशी विश्वनाथ सेवा समिति के तत्वावधान में सेवादारों और श्रद्धालुओं का पहला दल वाराणसी कैंट रेलवे स्टेशन से हावड़ा–अमृतसर मेल के माध्यम से कश्मीर के लिए प्रस्थान किया। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी काशी से बड़ी संख्या में श्रद्धालु बाबा अमरनाथ के दर्शन के लिए रवाना हो रहे हैं। समिति के अनुसार, काशी से हजारों श्रद्धालु अमरनाथ यात्रा में शामिल होते हैं। श्रद्धालु पहले अमृतसर पहुंचेंगे, जहां से जम्मू होते हुए पहलगाम तक का सफर तय करेंगे। इसके बाद पवित्र गुफा तक की यात्रा पैदल पूरी की जाएगी। श्री काशी विश्वनाथ सेवा समिति पिछले 26 वर्षों से अमरनाथ यात्रियों की सेवा में जुटी हुई है। समिति की ओर से अमरनाथ यात्रा के दौरान लगभग 300 श्रद्धालुओं के रहने, भोजन और अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की जाती है। इस वर्ष भी समिति द्वारा बड़ी संख्या में यात्रियों को दर्शन कराने में सहयोग प्रदान किया जा रहा है। समिति के सेवादार दिलीप सिंह ह्यबंटीह्न ने बताया कि 80 से 90 सेवादारों का दल यात्रा पर जा रहा है। इनमें 10 सेवादारों का समूह उनके साथ विवेक श्रीवास्तव और कुलदीप त्यागी के नेतृत्व में पंजाब जाएगा, जबकि लगभग 70 सेवादार बेगमपुरा एक्सप्रेस से सीधे जम्मू होते हुए चंदनबाड़ी पहुंचेंगे और वहां से सेवा कार्यों में जुटेंगे। उन्होंने बताया कि अमरनाथ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने के लिए समिति पूरी तरह तैयार है। यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं के लिए भोजन, आवास और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर व्यापक प्रबंध किए गए हैं। वहीं श्रद्धालुओं के लिए पान और मिठाई की व्यवस्था छक्कन दादा, राजेश चौरसिया और नंदनी परिवार की ओर से की गई है। समिति के इस सेवा अभियान को वाराणसी के जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों का भी सहयोग मिल रहा है। आयोजन में वाराणसी महापौर अशोक तिवारी, प्रदेश के आयुष मंत्री दयाशंकर मिश्रा ह्यदयालुह्न, वाराणसी शहर दक्षिणी के विधायक डॉ. नीलकंठ तिवारी, कैंट विधायक सौरभ श्रीवास्तव, सामाजिक कार्यकर्ता शांति लाल जैन सहित कई गणमान्य लोगों का सहयोग प्राप्त हो रहा है।

उत्तराखंड में अभी नहीं मिलेगी गर्मी से राहत, 2-3 दिन बाद गिरेगा तापमान

देहरादून : उत्तराखंड में अगले दो से तीन दिन तक गर्मी से तत्काल राहत मिलने के आसार नहीं हैं। इस अवधि में अधिकतम तापमान में कोई उल्लेखनीय बदलाव नहीं होगा, जबकि इसके बाद अगले दो से तीन दिन में तापमान 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है। राजधानी देहरादून में रविवार सुबह तेज और तीखी धूप के कारण लोगों को उमस और गर्मी का सामना करना पड़ा। हालांकि, दोपहर करीब 12 बजे के बाद मौसम ने अचानक करवट ली। आसमान में बादल छा गए और हवाएं चलने लगीं, जिससे लोगों को गर्मी से कुछ राहत मिली। मौसम में आए इस बदलाव के बाद शहर के कई इलाकों में धूप और बादलों की आंख–मिचौनी का दौर जारी है। मौसम विज्ञान केंद्र, देहरादून की ओर से रविवार को जारी बुलेटिन के अनुसार, राज्य के पर्वतीय जिलों में कहीं–कहीं गरज–चमक, आकाशीय बिजली, 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से झोंकेदार हवाएं और तेज से अति तेज बारिश के दौर पड़ने की संभावना है। पिथौरागढ़ और बागेश्वर में कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है, जबकि अन्य पर्वतीय जिलों में कुछ स्थानों पर वर्षा के आसार हैं। हरिद्वार और ऊधमसिंह नगर में कहीं–कहीं बहुत हल्की से हल्की बारिश होने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने बताया कि पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य के मैदानी क्षेत्रों में अधिकतम तापमान सामान्य से काफी अधिक दर्ज किया गया, जबकि पर्वतीय क्षेत्रों में तापमान सामान्य से लेकर सामान्य से काफी अधिक रहा। देहरादून में रविवार को अधिकतम तापमान करीब 37 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। बुलेटिन के अनुसार, दक्षिण–पश्चिम मानसून के अगले तीन से चार दिनों के दौरान उत्तराखंड के कुछ हिस्सों में आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल बनी हुई हैं।

यमुना तट पर चला जीवनधारा पौधारोपण अभियान, पर्यावरण संरक्षण को लेकर हुई महत्वपूर्ण बैठक

औरैया : पर्यावरण संरक्षण एवं हरित विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से समाजसेवी संगठन एक विचित्र पहल सेवा समिति द्वारा संचालित जीवनधारा पौधारोपण अभियान के तहत रविवार सुबह यमुना तट पर व्यापक पौधारोपण किया गया। अभियान के अंतर्गत पीपल, बरगद, अशोक, हरसिंगार, पकड़िया एवं चितवन जैसे लंबी आयु वाले पौधे लगाए गए तथा उनकी देखभाल की जिम्मेदारी यमुना मैया के सेवादारों को सौंपी गई। समिति द्वारा 5 जून 2026 से 5100 पौधे लगाने के लक्ष्य के साथ लगातार पौधारोपण अभियान चलाया जा रहा है। संस्था के अध्यक्ष राजीव पोरवाल (रानू) ने बताया कि अभियान के माध्यम से लोगों को उनकी पसंद के पौधे भी नि:शुल्क वितरित किए जा रहे हैं, ताकि अधिक से अधिक लोग पर्यावरण संरक्षण से जुड़ सकें। पौधारोपण कार्यक्रम के उपरांत यमुना तट स्थित राम झरोखा में आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता संस्था के अध्यक्ष राजीव पोरवाल (रानू) ने की, जिसमें अभियान को और अधिक प्रभावी एवं गतिशील बनाने को लेकर विचार–विमर्श किया गया। समिति के संस्थापक आनन्द नाथ गुप्ता एडवोकेट ने कहा कि पर्यावरण असंतुलन के कारण तापमान लगातार बढ़ रहा है और मानसून की देरी से जमीन में नमी की कमी बनी हुई है। उन्होंने बताया कि समिति के सदस्य सार्वजनिक मंदिरों, पार्कों एवं मार्गों का निरीक्षण कर पौधारोपण के लिए उपयुक्त स्थान चिन्हित कर रहे हैं। मौसम में नमी बढ़ते ही व्यापक स्तर पर पौधारोपण अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने की अपील करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण ही आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की आधारशिला है।
इस दौरान डॉ. आर्य प्रबुद्ध, विनोद कुमार पोरवाल, शिक्षक शिवम गुप्ता, हिमांशु दुबे, रुचिर अग्रवाल, सतीश, रामप्रसाद, अजय बाल्मीक सहित समिति के अनेक सदस्य एवं पर्यावरण प्रहरी मौजूद रहे।

प्रगतिशील किसान के तीन एकड़ प्रक्षेत्र में डीएसआर पद्धति से करायी गई धान की बुवाई

वाराणसी : वाराणसी में सेवापुरी विकास खण्ड में प्रगतिशील किसान हौसिला प्रसाद दुबे से रविवार को कृषि विभाग के अधिकारियों ने मुलाकात कर तीन एकड़ प्रक्षेत्र में डीएसआर पद्धति द्वारा धान की बुवाई कराया। कृषि विभाग के संयुक्त कृषि निदेशक शैलेन्द्र ने कहा कि अल नीनो के चलते इस वर्ष बारिश कम होने की संभावना है। ऐसे में डीएसआर जिसमें की 30 से चालीस प्रतिशत तक कम पानी लगता है, किसानों के लिए वरदान साबित हो रहा है। प्रगतिशील किसान हौसिला प्रसाद को इसका लाभ मिला है। उन्होंने कहा कि सेवापुरी विकास खण्ड पर किसानों को हाइब्रिड मक्का प्रदर्शन के लिए निशुल्क बीज भी वितरित किया गया। किसानों को कम पानी की फसलें जिसमें श्रीअन्न, मक्का, बाजरा आदि के लिए प्रेरित किया गया है।

सड़क दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने को लेकर समग्र कार्ययोजना पर होगा अमल : उपायुक्त

उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक ने किया पोखराहा खुर्द स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग-39 व पांकी-मेदिनीनगर मार्ग के इंटरसेक्शन का स्थल निरीक्षण

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनी नगर : उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने पुलिस अधीक्षक ,पलामू कपिल चौधरी के साथ पोखराहा खुर्द स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग-39 एवं पांकी-मेदिनीनगर मार्ग के संगम (इंटरसेक्शन) का स्थल निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने जोड़ मार्ग (इंटरसेक्शन) का भी निरीक्षण कर सड़क सुरक्षा की दृष्टि से आवश्यक सुधारात्मक उपायों का आकलन किया तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने कहा कि किसी भी सड़क दुर्घटना में होने वाली जनहानि केवल एक परिवार की ही नहीं, बल्कि पूरे समाज की अपूरणीय क्षति होती है। उन्होंने कहा कि यह प्रशासन की सामूहिक जिम्मेदारी है कि सड़क अभिकल्पना, यातायात प्रबंधन तथा आवश्यक सुरक्षा उपायों के माध्यम से भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोका जाए तथा किसी भी व्यक्ति को मानवीय भूल अथवा तकनीकी कमियों के कारण अपने प्राण न गंवाने पड़ें। उपायुक्त ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के परियोजना निदेशक को निर्देश दिया कि दुर्घटना संभावित क्षेत्रों एवं दोनों ओर के संगम स्थलों पर भारतीय सड़क कांग्रेस (आईआरसी) के मानकों के अनुरूप चेतावनी संकेतक, दिशा-सूचक पट्ट, गति सीमा संबंधी सूचना पट्ट एवं परावर्तक सुरक्षा संकेत तत्काल लगाए जाएं।

उन्होंने संगम स्थल पर आधुनिक यातायात संकेत (ट्रैफिक सिग्नल) स्थापित करने का निर्देश देते हुए कहा कि दोनों दिशाओं में सुव्यवस्थित संकेत प्रणाली विकसित की जाए, ताकि राष्ट्रीय राजमार्ग एवं राज्य मार्ग से आने-जाने वाले वाहनों का आवागमन सुरक्षित, नियंत्रित एवं सुचारु रूप से संचालित हो सके। उपायुक्त ने दृश्यता (विजिबिलिटी) बढ़ाने के लिए सड़क किनारे मौजूद अवरोधों को हटाने, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, स्पष्ट सड़क चिह्नांकन (रोड मार्किंग), परावर्तक कैट्स-आई, चेतावनी पट्ट एवं अन्य आवश्यक सड़क सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने पथ निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता को निर्देशित किया कि राज्य मार्ग से राष्ट्रीय राजमार्ग में मिलने वाले ढलानदार संपर्क मार्गों (स्लांटिंग रोड) के ढाल (ग्रेडियंट) को तकनीकी मानकों के अनुरूप कम किया जाए, ताकि मुख्य मार्ग पर प्रवेश करने से पूर्व वाहनों की गति नियंत्रित रहे और तीव्र त्वरण के कारण दुर्घटना की संभावना उत्पन्न न हो। उपायुक्त ने आवश्यक स्थानों पर गति अवरोधक (स्पीड ब्रेकर) एवं पुलिस बैरिकेडिंग का वैज्ञानिक एवं उपयुक्त ढंग से निर्धारण करने का निर्देश दिया, जिससे यातायात का प्रभावी प्रबंधन हो तथा दुर्घटनाओं की संभावना न्यूनतम हो। उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के परियोजना निदेशक को निर्देश दिया कि स्थायी एवं दीर्घकालिक समाधान के लिए 10 जुलाई तक विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) में आवश्यक संशोधन कर क्षेत्रीय कार्यालय को अनुमोदन हेतु भेजना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि संशोधित प्रतिवेदन में सड़क सुरक्षा अंकेक्षण (रोड सेफ्टी ऑडिट) की अनुशंसाओं, यातायात घनत्व, भविष्य की आवश्यकताओं तथा आधुनिक सड़क अभियांत्रिकी के सभी मानकों का समावेश किया जाए।

उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन सड़क सुरक्षा के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है। दुर्घटना संभावित स्थलों की नियमित समीक्षा की जाएगी तथा सभी संबंधित विभागों के समन्वय से अल्पकालिक एवं दीर्घकालिक सुधारात्मक कार्य समयबद्ध ढंग से पूरे कराए जाएंगे। उन्होंने आम नागरिकों से भी यातायात नियमों का पालन करने, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने तथा सड़क संकेतों का अनुपालन करने की अपील करते हुए कहा कि सुरक्षित यातायात व्यवस्था प्रशासन और समाज, दोनों की साझा जिम्मेदारी है। निरीक्षण के दौरान संबंधित विभागों के पदाधिकारी एवं अभियंता उपस्थित थे।

कोल्हान रक्षा संघ के संस्थापक महासचिव केसी हेंब्रम की 10वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

श्री हेंब्रम के परिजनों को किया गया सम्मानित

संवाददाता

चाईबासा: कोल्हान रक्षा संघ के संस्थापक महासचिव स्व केसी हेंब्रम की 10वीं पुण्यतिथि पर पश्चिमी सिंहभूम जिले के टोंटो प्रखंड अंतर्गत टेंनसेरा गांव में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कोल्हान रक्षा संघ के अध्यक्ष डिबार जोंको ने की। श्रद्धांजलि सभा में कोल्हान क्षेत्र के हजारों लोगों ने केसी। हेंब्रम के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा उनके सामाजिक, सांस्कृतिक और जनजातीय अधिकारों की रक्षा के लिए किए गए संघर्ष को याद किया। कार्यक्रम के दौरान केसी हेंब्रम के परिवार के सदस्यों को अंगवस्त्र एवं टी-शर्ट भेंट कर सम्मानित किया गया।

कोल्हान रक्षा संघ के अध्यक्ष डिबार जोंको ने कहा, स्व केसी हेंब्रम ने कोल्हान के जल, जंगल, जमीन और आदिवासी समाज के अधिकारों की रक्षा के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित किया। उनके संघर्ष और विचार आज भी संगठन के लिए प्रेरणास्रोत हैं। हम उनके बताए मार्ग पर चलकर कोल्हान के हितों की रक्षा के लिए सदैव प्रतिबद्ध रहेंगे। मानसिंह हेंब्रम ने कहा, स्व के।सी। हेंब्रम केवल एक व्यक्ति नहीं बल्कि कोल्हान की अस्मिता और स्वाभिमान के प्रतीक थे। नई पीढ़ी को उनके संघर्ष, त्याग और सिद्धांतों से प्रेरणा लेकर समाज के विकास और अधिकारों की रक्षा के लिए आगे आना चाहिए। रविंद्र मंडल ने अपने संबोधन में कहा, स्व केसी हेंब्रम ने समाज को एकजुट करने और जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाने का कार्य किया। उनका जीवन समाज सेवा, संघर्ष और समर्पण का आदर्श उदाहरण है। उनके अधूरे सपनों को पूरा करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। श्रद्धांजलि सभा के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने स्व केसी हेंब्रम के आदर्शों पर चलने तथा कोल्हान क्षेत्र के सामाजिक, सांस्कृतिक और जनहित के मुद्दों पर एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से डिबार जोंको, मानसिंह हेंब्रम, धनपति सरदार, पूनम हेंब्रम, सुमित्रा जोंको, शिवनंदन किस्कू, रथू गगराय, नूनाराम माझी, चंद्र मोहन चाँतुबा, वीर सिंह लागूरी, मानसिंह केराई, टूरा केराई, सरस्वती हेंब्रम (सुपुत्री स्व केसी हेंब्रम), उनकी धर्मपत्नी बेलमती हेंब्रम, सुखदेव हेंब्रम, पूर्व विधायक अनंत राम टुडू, रविंद्र मंडल, लक्ष्मण मंडल, सागू चरण हेंब्रम, लितेश्वर हेंब्रम, जानकी हेंसा, जानकी हेंब्रम, मरम सिंह, मंगल सिंह लागूरी सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

पोलियो दिवस पर विधायक सुखराम उरांव ने किया टीकाकरण अभियान का शुभारंभ

संवाददाता

चक्रधरपुर: पोलियो दिवस के अवसर पर अनुमंडलीय अस्पताल चक्रधरपुर में आयोजित पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान का शुभारंभ चक्रधरपुर के विधायक सुखराम उरांव ने बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाकर किया। इस अवसर पर उन्होंने सभी अभिभावकों से अपील की कि वे अपने पांच वर्ष तक के बच्चों को समय पर पोलियो की दवा अवश्य पिलाएं, ताकि समाज को पोलियो मुक्त बनाया जा सके। कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, चिकित्सक, आशा एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, पुलिस प्रशासन के प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। अभियान के दौरान बच्चों के टीकाकरण के साथ-साथ अभिभावकों को स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के प्रति भी जागरूक किया गया। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि जिले के सभी निर्धारित बूथों पर बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने की व्यवस्था की गई है तथा कोई भी बच्चा इस अभियान से वंचित न रहे, इसके लिए विशेष निगरानी रखी जा रही है। विधायक सुखराम उरांव ने कहा कि पोलियो का टीका बच्चों की सेहत की पहली सुरक्षा है और प्रत्येक माता-पिता का दायित्व है कि वे अपने बच्चों का समय पर टीकाकरण कराएं। वहीं जिला स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग की पूरी टीम घर-घर तक अभियान को सफल बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने बताया कि आने वाले दिनों में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में भी अभियान को और प्रभावी ढंग से संचालित किया जाएगा तथा स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम लगातार जारी रहेंगे।

मुहर्रम जुलूस शांतिपूर्ण संपन्न, युवाओं ने लाठी-तलवार से दिखाया करतब

खरसावां : खरसावां में मुहर्रम का जुलूस निकाला गया। इस दौरान कर्बला मैदान में सच्चाई की राह पर चलते हुए इमाम हुसैन द्वारा दी गई। कुबार्नी को याद किया गया। इमाम हुसैन की याद में खरसावां के बेहरासाही स्थित इमामबाड़ों में फातिहा और चादरपोशी की गई। इसके बाद मुहर्रम का जुलूस निकाला गया। मुहर्रम का जुलूस बेहरासाही इमामबाड़ा से शुरू होकर भाटी मोड़, चांदनी चौक, खरसावां बाजार, राजबाड़ी होते हुए टुनियाबाड़ी स्थित करबला में खत्म हुई। मुहर्रम के जुलूस के युवाओं ने करतब दिखाई। डंके के धुन पर लाठियां भांजने के साथ तलवारबाजी भी की। जुलूस में युवाओं ने एक से बढ़कर एक करतब दिखाई। भाला, रस्सा समेत कई तरह के खेलों का दर्शकों ने लुत्फ उठाया। इस दौरान ताजिया भी निकाली गई।

अधिकारी और जन प्रतिनिधियों को पगड़ी पहना कर सम्मानित किया गयाः जुलूस में प्रमुख मनेंद्र जामुदा, बीडीओ प्रधान माझी, सीओ कप्तान सिंकु, थाना प्रभारी राहुल कुमार सिंह, जिला परिषद सदस्य काली चरण बानरा, अनूप सिंहदेव, प्रवीर सिंहदेव, गोवर्धन राउत, राज तबरेज समेत बड़ी संख्या में गणमान्य लोग शामिल हुए। आयोजन समिति की ओर से अतिथियों का पगड़ी पहनाकर और स्मृति स्वरूप तलवार भेंट कर सम्मान किया गया। जुलूस में पहुंचे अतिथियों ने भी तलवार और लाठी भांजे। इस दौरान राज तबरेज, अनवरूल हक, मो महमूद, मो अनवर, मो मंसूर, रफअत अली सहित काफी संख्या में कमेटी के सदस्य सहित स्थानीय लोग मौजूद थे। सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम थेः मुहर्रम जुलूस के दौरान खरसावां में सुरक्षा के पुख्ता बंदोबस्त किए गए थे। जगह-जगह पुलिस बल तैनात किए गए थे। जगह जगह पुलिस बलों की तैनाती की गई थी। मुहर्रम का जुलूस शांति पूर्वक संपन्न हो गया।

दंगवार बाजार में व्यवसायी से जेवर लूटने की कोशिश, लोगों ने एक बदमाश को दबोचा

हुसैनाबाद /पलामूः हुसैनाबाद प्रखंड के दंगवार मुख्य बाजार में शनिवार शाम स्थानीय लोगों की सतर्कता और साहस से सोना-चांदी की बड़ी लूट की वारदात विफल हो गई। बाइक सवार दो बदमाशों ने ज्वेलर्स से करीब छह लाख रुपये मूल्य के आभूषण लूटकर भागने का प्रयास किया, लेकिन लोगों ने पीछा कर एक आरोपी को रंगेहाथ पकड़ लिया। जबकि उसका एक साथी बाइक लेकर मौके से फरार हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार दंगवार मुख्य बाजार स्थित मां शांति ज्वेलर्स के संचालक श्रवण सोनी शनिवार शाम करीब सात बजे दुकान बंद कर अपने पुत्र अंश कुमार सोनी के साथ सोने-चांदी के आभूषण लेकर घर लौट रहे थे। इसी दौरान पहले से घात लगाए बाइक सवार दो युवकों ने अंश कुमार के हाथ से जेवरों से भरा बैग झपट लिया और भागने लगे। घटना के बाद अंश कुमार ने बिना घबराए बदमाशों का पीछा किया और उन्हें पकड़ने का प्रयास किया। इसी बीच स्थानीय युवक बबलूसहित अन्य लोगों ने साहस दिखाते हुए एक आरोपी को दबोच लिया।

गिद्धौर का द्वारी रेलवे साइडिंग बना रणक्षेत्र

वर्चस्व की लड़ाई में दो गुटों के बीच खूनी संघर्ष, लाठी-डंडे व चले पत्थर

संवाददाता

चतराः जिले के गिद्धौर थाना क्षेत्र के द्वारी करमाटांड़ स्थित रेलवे कोयला साइडिंग वर्चस्व की लड़ाई का रणक्षेत्र बन गया। साइडिंग के संचालन और कांटा घर के नियंत्रण को लेकर दो गुटों के बीच हुए विवाद ने अचानक हिंसक रूप ले लिया। दोनों पक्षों के बीच जमकर लाठी-डंडे,पत्थर और तलवार चले, जिसमें एक पक्ष के तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि कई अन्य लोग भी चोटिल हुए हैं। घटना में एक जनप्रतिनिधि के भी घायल होने की सूचना है। हिंसक झड़प के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने हजारीबागझचतराझकटकमसाडी मुख्य मार्ग जाम कर आरोपितों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार रेलवे साइडिंग का नियमित संचालन अभी प्रारंभ नहीं हुआ है। शुरूआती चरण में कुछ हाइवा वाहनों के माध्यम से कोयला ढुलाई का ट्रायल किया जा रहा था।इसी दौरान साइडिंग परिसर में बने दो कांटा घरों के संचालन और वर्चस्व को लेकर लंबे समय से चला आ रहा विवाद फिर उभर गया। बताया जाता है कि एक कांटा घर का संचालन स्थानीय युवाओं द्वारा किया जा रहा है, जबकि दूसरे के संचालन को लेकर दूसरे पक्ष का दावा है। इसी विवाद के बीच दोनों गुट आमने-सामने आ गए और देखते ही देखते मामला खूनी संघर्ष में बदल गया। आरोप है कि मारपीट के दौरान लाठी-डंडों,पत्थरों और तलवार का खुलकर प्रयोग हुआ, जिससे घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। संघर्ष की चपेट में आने से आसपास मौजूद कुछ राहगीरों के भी घायल होने की सूचना है। घटना के बाद पूरे द्वारी बाजार एवं आसपास के क्षेत्र में तनाव फैल गया।सूचना मिलते ही गिद्धौर थाना प्रभारी पुरुषोत्तम अग्निहोत्री पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया। पुलिस ने दोनों पक्षों से पूछताछ शुरू कर दी है तथा पूरे मामले की जांच की जा रही थी। उधर, आक्रोशित ग्रामीण सड़क जाम कर आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग पर अड़े रहे, जिससे मुख्य मार्ग पर वाहनों की लंबी कतार लग गई।समाचार लिखे जाने तक जाम को हटा लिया गया है। वहीं दोनों पक्षों की ओर से मारपीट का आवेदन दिया गया है।

गिद्धौर का द्वारी रेलवे साइडिंग बना रणक्षेत्र

वर्चस्व की लड़ाई में दो गुटों के बीच खूनी संघर्ष, लाठी-डंडे व चले पत्थर

चतरा। जिले के गिद्धौर थाना क्षेत्र के द्वारी करमाटांड़ स्थित रेलवे कोयला साइडिंग शनिवार को वर्चस्व की लड़ाई का रणक्षेत्र बन गया। साइडिंग के संचालन और कांटा घर के नियंत्रण को लेकर दो गुटों के बीच हुए विवाद ने अचानक हिंसक रूप ले लिया। दोनों पक्षों के बीच जमकर लाठी-डंडे,पत्थर और तलवार चले, जिसमें एक पक्ष के तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि कई अन्य लोग भी चोटिल हुए हैं। घटना में एक जनप्रतिनिधि के भी घायल होने की सूचना है। हिंसक झड़प के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने हजारीबागझचतराझकटकमसाडी मुख्य मार्ग जाम कर आरोपितों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार रेलवे साइडिंग का नियमित संचालन अभी प्रारंभ नहीं हुआ है। शुरूआती चरण में कुछ हाइवा वाहनों के माध्यम से कोयला ढुलाई का ट्रायल किया जा रहा था।इसी दौरान साइडिंग परिसर में बने दो कांटा घरों के संचालन और वर्चस्व को लेकर लंबे समय से चला आ रहा विवाद फिर उभर गया। बताया जाता है कि एक कांटा घर का संचालन स्थानीय युवाओं द्वारा किया जा रहा है, जबकि दूसरे के संचालन को लेकर दूसरे पक्ष का दावा है। इसी विवाद के बीच दोनों गुट आमने-सामने आ गए और देखते ही देखते मामला खूनी संघर्ष में बदल गया।

आरोप है कि मारपीट के दौरान लाठी-डंडों,पत्थरों और तलवार का खुलकर प्रयोग हुआ, जिससे घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। संघर्ष की चपेट में आने से आसपास मौजूद कुछ राहगीरों के भी घायल होने की सूचना है। घटना के बाद पूरे द्वारी बाजार एवं आसपास के क्षेत्र में तनाव फैल गया।सूचना मिलते ही गिद्धौर थाना प्रभारी पुरुषोत्तम अग्निहोत्री पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया। पुलिस ने दोनों पक्षों से पूछताछ शुरू कर दी है तथा पूरे मामले की जांच की जा रही थी। उधर, आक्रोशित ग्रामीण सड़क जाम कर आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग पर अड़े रहे, जिससे मुख्य मार्ग पर वाहनों की लंबी कतार लग गई।समाचार लिखे जाने तक जाम को हटा लिया गया है। वहीं दोनों पक्षों की ओर से मारपीट का आवेदन दिया गया है।

बंद माइंस से बरामद युवती के शव की हुई पहचान

थाना प्रभारी की तत्परता से शव की पहचान में मिली सफलता, क्षेत्र में हो रही सराहना

खबर का हुआ असर

चतराः जिले के हंटरगंज थाना क्षेत्र के जजलो स्थित बंद पड़े माइंस से 26 जून को बरामद अज्ञात युवती के शव की पहचान हो गई है। सोशल मीडिया पर शव मिलने की खबर प्रसारित होने के बाद परिजन हंटरगंज थाना पहुंचे और मृतका की पहचान डोभी थाना क्षेत्र के यक्ष्मा गांव निवासी चमारी पासवान की 23 वर्षीय पुत्री दिव्या कुमारी के रूप में की। हंटरगंज थाना प्रभारी प्रभात कुमार ने अज्ञात शव मिलने के बाद उसकी पहचान कराने के लिए आम लोगों से अपील की थी। उनकी पहल पर अखबार से लेकर सोशल मीडिया के माध्यम से सूचना तेजी से लोगों तक पहुंची, जिसका सकारात्मक असर देखने को मिला। इसी प्रयास के कारण मृतका के परिजनों तक सूचना पहुंची और शव की पहचान संभव हो सकी। थाना प्रभारी की इस तत्परता और संवेदनशील कार्यशैली की स्थानीय लोग सराहना कर रहे हैं। परिजनों ने बताया कि दिव्या 24 जून को अपने प्रेमी के साथ घर से निकली थी, जिसके बाद से वह लापता थी। सोशल मीडिया पर वायरल हुई खबर के माध्यम से उन्हें शव बरामद होने की जानकारी मिली। सूचना मिलने पर वे हंटरगंज पहुंचे और शव की पहचान की।मृतका के परिजनों ने प्रेमी पर हत्या का गंभीर आरोप लगाया है। उनका कहना है कि आरोपी दिव्या को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया था तथा उसकी हत्या कर शव को साक्ष्य छिपाने की नीयत से बंद पड़े माइंस के पानी भरे गड्ढे में फेंक दिया।इधर, पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए हजारीबाग सदर अस्पताल भेज दिया है। थाना प्रभारी प्रभात कुमार ने बताया कि परिजनों के आवेदन के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है तथा आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के वास्तविक कारणों का स्पष्ट खुलासा हो सकेगा।